RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-40 ❖ मुंबई ❖ रविवार 27 सितंबर से 03 अक्टूबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा वोडाफोन

पेज 5
मेघालयः 5 दिन की भीषण बारिश ने तोड़ा 60 साल का रेकॉर्ड, 13 की मौत, अभी और तबाही की आशंका

पेज 7
एक पंडित की मदद करने पहुँचे एजाज खान

पेज 8
सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां! मुंबई में खचाखच भरी दिखी ट्रेन

ह्यूमन ट्रायल के लिए तैयार है ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन, 3 लोगों पर होगा टेस्ट

ह्यूमन ट्रायल के लिए तैयार है ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन, 3 लोगों पर होगा टेस्ट

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के सरकारी द्वारा संचालित केईएम अस्पताल में ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित कोरोना की वैक्सीन का मानव परीक्षण (ह्यूमन ट्रायल) किया जाएगा। केईएम अस्पताल के डीन ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित कोविशील्ड वैक्सीन का अस्पताल में तीन व्यक्तियों पर मानव परीक्षण किया जाएगा।

डीन ने बताया कि वैक्सीन के परीक्षण के लिए हमने 13 लोगों की स्क्रीनिंग की है। इनमें से तीन लोगों पर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविशील्ड वैक्सीन का ट्रायल किया जाएगा। इसके अलावा एक अन्य शख्स को मानक परीक्षण प्रक्रिया के तहत प्लेसबो दिया जाएगा। गौरतलब है कि केईएम मुंबई का पहला अस्पताल है, जहां कोरोना की वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल किया जाएगा। यह ट्रायल शनिवार से शुरू होगा। बताया गया कि वैक्सीन को पुणे के सीरम इंस्टिट्यूट में बनाया गया है।

अमेरिकी कंपनी ने भी शुरू किया ट्रायल

बता दें कि इससे पहले मशहूर दवा कंपनी जॉनसन ऐंड जॉनसन ने कोरोना वायरस वैक्सीन के फेज-3 ट्रायल शुरू करने का दावा किया है। कंपनी ने बताया कि शुरुआती स्टेज में वैक्सीन ने पॉजिटिव रिजल्ट्स दिए हैं। फेज 3 ट्रायल में वैक्सीन को 60,000 लोगों पर आजमाया जाएगा। इसके लिए अमेरिका और बाकी दुनिया में 200 जगहें चुनी गई हैं। इसी के साथ, जॉनसन ऐंड जॉनसन की वैक्सीन दुनिया की दसवीं ऐसी कोरोना वैक्सीन बन गई है जो फेज 3 ट्रायल में पहुंची हैं।

लोगों के काम पर लौटने से कोरोना वायरस संक्रमण का दूसरा दौर शुरू होने के खतराः ठाकरे

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने और अधिक लोगों के काम पर लौटने से कोरोना वायरस संक्रमण का ''दूसरा दौर'' शुरू होने की आशंका जतायी है। उन्होंने लोगों से नियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। कोविड-19 हालात पर मराठवाड़ा और नासिक संभाग के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ डिजिटल बैठक में ठाकरे ने ऐसे लोगों के बिना पर्याप्त ऐहतियात के बाहर निकलने पर चिंता व्यक्त की जो कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, लेकिन उनमें संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दिये हैं। ठाकरे ने कहा कि मृत्युदर कम करने पर ध्यान दिया जाना चाहिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि लोग मास्क पहनने जैसे स्वास्थ्य नियमों का पालन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने का भी निर्देश दिया। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार राज्य में 25 सितंबर तक कोरोना वायरस संक्रमण के 13,00,757 मामले सामने आ चुके हैं। 34,761 लोगों की मौत हो चुकी है। ठाकरे ने कहा, ''ब्रिटेन में, ऐसे रोगियों का घरों में इलाज किया जा रहा है, जिनमें लक्षण दिखाई नहीं दिये हैं। लेकिन प्रतिदिन उनकी जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर उन्हें अस्पताल भेजा जा रहा है। हम ऐसे रोगियों को घरों में पृथक रहने की अनुमति दे रहे हैं, लेकिन वे बाहर निकलकर दूसरों को भी संक्रमित कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इससे (कोरोना वायरस संक्रमण) का दूसरा दौर शुरू होने का खतरा है क्योंकि अब और अधिक लोग काम के लिये बाहर निकल रहे हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के घर बैठे ही संक्रमित होने का भी खतरा है।''

कांग्रेस अकेले लड़ेगी ठाणे एमएनपी चुनाव, तैयारियां शुरू!

ठाणे, महाराष्ट्र के ठाणे कांग्रेस ने अगला मनपा चुनाव अकेले लड़ने का मन बनाया है। ठाणे मनपा चुनाव को अभी करीब दो साल का समय है। लेकिन राज्य की महा विकास आघाडी में शामिल कांग्रेस की ठाणे इकाई ने अभी से चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर अध्यक्ष एडवोकेट विक्रांत चव्हाण ने नव नियुक्त पदाधिकारियों के साथ बैठक की।बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए चव्हाण ने बताया कि आगामी मनपा चुनाव में पार्टी की तरफ से सभी सीटों पर उम्मीदवारों को खड़ा किया जाएगा। इसलिए अभी से जनता से जुड़ी समस्याओं और लोकोपयोगी कार्यक्रमों की शुरुआत की जानी चाहिए। पता हो कि ठाणे शहर कांग्रेस की पिछले सप्ताह 285 पदाधिकारियों की एक जम्बो शहर कार्यकारणी की घोषणा की गई थी। उक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक के आयोजन की अगुवाई विक्रांत चव्हाण ने की थी। ठाणे मनपा में कांग्रेस के महज तीन नगरसेवक हैं और शहर में कांग्रेस बहुत कमजोर है। ऐसे में अकेले चुनाव लड़ने का साहस कांग्रेस कितना जुटा पाएगी, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बैठक में पूर्व अध्यक्ष मनोज शिंदे, अनिल सालवी, प्रदेश सदस्य सुखदेव घोलप, जेबी यादव, सचिन शिंदे, महिला अध्यक्ष शिल्पा सोनोने इत्यादि पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीएम योगी का सख्त निर्देश- स्मार्ट सिटी के काम में लाएं तेजी, सड़कों की गुणवत्ता सुधारें

लखनऊ, सीएम योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को लखनऊ में स्मार्ट सिटी का काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना जनसुविधाओं से जुड़ी है। इसका काम धीमा है। इसे पूरा करें। निर्णय लेने की क्षमता बेहतर करें। इसके साथ उन्होंने सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के भी निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने खराब सड़कों की शिकायत की है। ऐसे में गड्ढामुक्ति अभियान और नए निर्माण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सीएम ने लखनऊ मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विकास की हर योजना में शासन का पैसा लगा है। यह जनता का पैसा है, न कि किसी का व्यक्तिगत धन। इसका दुरुपयोग न होने पाए। उन्होंने अफसरों से कहा कि जनप्रतिनिधियों से संवाद रखें, उनके प्रस्तावों को आगे बढ़ाएं। अनावश्यक द्वंद्व न हो। योगी ने जलभराव की शिकायतों को संज्ञान लेते हुए गोमतीनगर विस्तार और कैंट सहित अन्य क्षेत्रों में जलनिकासी व पेयजल की समस्या के समाधान के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत योजना में जहां भी सीवर लाइन बिछ गई है, वहां लोगों को कनेक्शन दें।

मीटर जंपिंग न हो, फेक बिल पर ऐक्शन लें सीएम ने कहा कि बिजली की आपूर्ति रोस्टर के हिसाब से हो। बिजली के फेक बिल न आएं। उपभोक्ता जितने की बिजली जला रहा है, उतने का ही बिल पहुंचे। अगर बिल में गड़बड़ी हो रही है तो जिम्मेदारी तय कर एक्शन लें। मीटर जंपिंग न होने पाए। उन्होंने लखनऊ में राजस्व वसूली कम होने पर चिंता जताई। कहा कि इसकी नियमित समीक्षा करें। राजस्व आने से ही विकास योजनाएं आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ कैंसर अस्पताल व नाका ओवरब्रिज का लोकार्पण जल्द किया जाएगा। सीएम ने कहा कि कोविड की पॉजीटिविटी रेट 4इ से नीचे और डेथ रेट 1इ से नीचे लाने का प्रयास करें। लोगों को बचाव के प्रति जागरूक करें। आरटीपीसीआर और एंटीजन टेस्ट में 1:3 का अनुपात रखें। बैठक में उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा भी मौजूद थे।

अब मुंबई में आना पड़ेगा 'महंगा' 18 फीसदी बढ़ेंगे टोल रेट्स

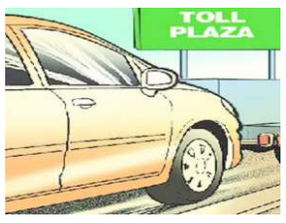

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के वाशी, मुलुंड, ऐरोली, एलबीएस रोड या दहिसर के टोल नाकों पर एक अक्टूबर से टोल की नई दरें लागू होने वाली हैं। पैसेंजर कार के लिए एक दिशा में अब 35 की बजाय 40 रुपये खर्च करने होंगे। नई दरें 23 सितंबर, 2023 तक लागू रहेंगी। राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन में बताया कि फ्लाइओवर, सड़कों इत्यादि के रखरखाव के लिए करीब 18इ टोल रेट बढ़ाए जा रहे हैं, जो पिछले 6 वर्षों से नहीं बढ़े हैं। कारों के अलावा एक दिशा में कमर्शल वीइकल के लिए 10 रुपये, ट्रकों और बसों के लिए 25 रुपये बढ़ाए गए हैं। मुंबई एंट्री पॉइंट टोल लिमिटेड को इससे 2027 तक 11,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। रखरखाव के नाम पर 2002 में सभी पॉइंट पर टोल वसूलने की शुरुआत हुई थी, इसे बाद में 2010 तक बढ़ा दिया गया। अब टोल वसूलने के लिए 2027 तक की सीमा बढ़ा दी गई है।

शिवसेना का कांग्रेस-NCP से मोहभंग! क्यों संजय राउत ने की देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात?

मुंबई, महाराष्ट्र में शिवसेना नेता संजय राउत बीजेपी पर लगातार हमले करते हैं। फिर वह शायराना अंदाज से हो या शिवसेना के मुखपत्र के जरिए। अब ऐसे में शिवसेना के नेता संजय राउत ने शनिवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के (बीजेपी) नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। दरअसल, महाराष्ट्र की राजनीति में उठापटक जारी है। शिवसेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन कर सरकार तो बना ली लेकिन इनके बीच आपसी खींचतान नहीं खत्म हो रही है। हाल ही में कुछ पोस्टर्स में एनसीपी और शिवसेना के नेताओं की तस्वीरें तो थीं लेकिन कांग्रेस नेताओं को जगह नहीं दी गई। इस पर भी तल्खियां देखने को मिलीं। राजस्थान में भी जब सियासी घमासान मचा तो महाराष्ट्र का गठबंधन फिर कमजोर दिखने लगा।

बीजेपी की ओर से दी गई सफाई

संजय राउत और देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात पर बीजेपी की ओर से सफाई भी दी गई है। महाराष्ट्र बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने कहा इस मीटिंग का कोई भी राजनीतिक दृष्टिकोण नहीं था। उन्होंने ट्वीट किया, 'राउत शिवसेना के मुखपत्र सामना के लिए देवेंद्र फडणवीस का इंटरव्यू करना चाहते थे। बस इसी को लेकर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई है।' उपाध्ये ने कहा, 'फडणवीस ने राउत को इस बात की जानकारी दी थी कि वह जब बिहार के चुनाव प्रचार से लौट आएंगे तब वह इंटरव्यू देंगे।'

...फिर शिवसेना ने तोड़ दी 'दोस्ती'

राज्य विधानसभा चुनाव में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन में साथ ही चुनाव मैदान में उतरते थे। सीट शेयरिंग फॉर्म्युले पर जब दोनों के बीच बात नहीं बनी तो शिवसेना ने यह 'दोस्ती' तोड़ दी। इसके साथ ही शिवसेना ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली।

कोशिश करेंगे, महाराष्ट्र में कृषि विधेयक लागू नहीं हों : कांग्रेस, राकांपा

महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल कांग्रेस और राकांपा ने शुक्रवार को कहा कि वे यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि राज्य में कृषि क्षेत्र में सुधार से संबंधित विधेयक लागू नहीं हों। उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजित पवार ने पुणे में कहा कि किसानों के साथ-साथ राकांपा और अन्य दल भी नए विधेयकों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'किसानों को लगता है कि कानून उनके लिए लाभकारी नहीं हैं। उन्हें (उन्हें पारित करने की) कोई जल्दी नहीं थी।' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें महाराष्ट्र में लागू किया जाएगा, पवार ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि वे लागू नहीं हों। लेकिन साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि कौन से नए मुद्दे सामने आते हैं।' पवार ने कहा, 'हम अध्ययन कर रहे हैं कि अगर मामला अदालत में जाता है तो क्या हो सकता है।' उन्होंने कहा कि सरकार ने कानूनी विभाग से भी राय मांगी है। उन्होंने इस मुद्दे पर बैठक की जिसमें जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल, सहकारिता मंत्री बालासाहेब पाटिल, श्रमिकों के नेता और अन्य पक्षों के लोग उपस्थित थे। इससे पहले दिन में राज्य के कांग्रेस प्रमुख और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने कहा कि वे 'मिलकर काम करेंगे और नए कृषि विधेयकों को लागू नहीं करने का फैसला लेंगे।' उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस के नेता 28 सितंबर को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलेंगे और दो अक्टूबर को नए विधेयकों के खिलाफ राज्यव्यापी धरना दिया जाएगा। थोराट ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि कृषि क्षेत्र से संबंधित दोनों विधेयक और श्रम सुधार विधेयकों को रद्द किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नए विधेयकों का मकसद कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि सरकार एपीएमसी प्रणाली को ध्वस्त करना चाहती है और विपणन प्रणाली व्यापारियों को सौंपना चाहती है। इस वजह से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिलेगा। कांग्रेस नेता और पीडब्लूडी मंत्री अशोक चव्हाण ने कहा कि नए विधेयकों से केवल अमीरों और कार्पोरेट जगत को फायदा होगा।

पाक की बौखलाहट

पिछले कुछ समय से पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्तिस्तान को लेकर जिस तरह की गतिविधियां छेड़ रखी हैं, वे पड़ोसी देश की बौखलाहट को बताने के लिए काफी हैं। यह जानते-बूझते भी कि गिलगित-बाल्तिस्तान भारत का क्षेत्र है जिसे उसे एक न एक दिन तो खाली करना ही पड़ेगा, पाकिस्तान वहां चुनाव जैसी राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। पाकिस्तान सरकार की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार गिलगित-बाल्तिस्तान में अब पंद्रह नवंबर को विधानसभा के चुनाव होंगे। हालांकि चुनाव की कवायद काफी पहले ही शुरू हो गई थी। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी मिलने के बाद राष्ट्रपति ने भी सहमति जता दी थी। पहले ये चुनाव अठारह अगस्त को होने थे, लेकिन भारत के कड़े प्रतिरोध और दबाव को देखते हुए पाकिस्तान ने कोरोना महामारी की आड़ लेते हुए इससे कदम खींच लिए थे। लेकिन अब फिर से वह सक्रिय हो गया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्बी ने अधिसूचना पर दस्तखत कर गिलगित में चुनाव कराने का रास्ता साफ कर दिया है, लेकिन साथ ही यह कदम एक विवाद को और हवा देने वाला है। पाकिस्तान की यह हरकत भारत को उकसाने वाली है। लेकिन गिलगित-बाल्तिस्तान के मसले पर भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है कि यह क्षेत्र लद्दाख में पड़ने में हिस्से में शामिल है और भारत का अभिन्न हिस्सा है। पाकिस्तान इस इलाके में भले कब्जा जमाए बैठा रहे, लेकिन असलियत को तो बदल नहीं सकता। पाकिस्तान लंबे समय से इस कोशिश में लगा है कि गिलगित-बाल्तिस्तान को देश का पांचवां प्रांत घोषित कर दिया जाए। लेकिन सवाल इस बात का है कि क्या पाकिस्तान को इस क्षेत्र की वैधानिक स्थिति मालूम नहीं

है, जो वह इस तरह के विवादित कदम उठा रहा है। जब यह इलाका पाकिस्तान का प्रांत ही नहीं है तो वहां चुनाव जैसी गतिविधियों को अंजाम देना क्षेत्र में अशांति के नए मोर्चे खोलना ही है। कुछ महीनों पहले पाकिस्तान ने इस इलाके में लद्दाख से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर करीब बीस हजार जवानों की तैनाती की थी और इसके पीछे मंशा यह थी कि अगर चीन के साथ भारत का तनाव बढ़ता है तो पाकिस्तान भी भारत के खिलाफ यहां से जंग छेड़ सकता है। यह कोई छिपी बात नहीं है कि चीन गिलगित में पाकिस्तान की मौजूदगी बनाए रखने के लिए उसे किस तरह से मदद दे रहा है। गिलगित क्षेत्र में चीन की मदद से बांध बनाने की परियोजना चल रही है। पिछले साल जब भारत ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था, तभी से पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। उसने इस मसले को अंतरराष्ट्रीय मंचों से उठाया, लेकिन हर जगह मुंह की खाई। इसलिए अब गिलगित-बाल्तिस्तान को भारत के खिलाफ हथियार बना लिया है। पाकिस्तान को यह भय है कि जिस तरह भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर कठोर फैसला करते हुए कदम बढ़ाए हैं, उसी तरह पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित क्षेत्र को भी भारत कभी भी ले सकता है। क्षेत्रों को लेकर विवाद पाकिस्तान की पुरानी नीति रही है। ऐसा नहीं है कि विवाद सिर्फ कश्मीर को लेकर ही है। गुजरात में कच्छ क्षेत्र में जल सीमा के नजदीक सरक्रीक और गिलगित भी ऐसे ही इलाके हैं। हालांकि ये कोई ऐसे विवाद नहीं है जिन्हें लेकर युद्ध और आतंकवाद का रास्ता अपनाया जाए, जैसा कि वह हमेशा से करता आया है। इन विवादों को हल करने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से तर्कसंगत बातचीत और हकीकत को स्वीकारने की जरूरत है।

नशे का जाल

संजय शर्मा

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मौत के मामले में शुरू हुई छानबीन फिल्मी दुनिया में फैले नशे के जाल तक पहुंची तो कई चौंकाने वाले खुलासे आने शुरू हो गए। पहले सुशांत की मित्र रिया चक्रवर्ती और उसके भाई समेत करीब दस लोगों को नशे के कारोबार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अब अलग-अलग बयानों और फोन संदेशों के जरिए हुई बातचीत के आधार पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कुछ और फिल्म अभिनेत्रियों को तलब किया है। यह तो पहले से कहा-सुना जाता था कि फिल्मी दुनिया के बहुत सारे सितारे और तारिकाएं नशे की लत का शिकार हैं, पर अब एनसीबी की जांच में उनसे जुड़े तथ्य भी सामने आने लगे हैं। प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के कारोबार को रोकना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। इसके चलते बहुत सारे युवाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, तो अनेक युवा असमय मौत के शिकार हो जाते हैं। नामचीन फिल्मी सितारों और तारिकाओं का इस जाल में फंसे

होना गंभीर चिंता का विषय है। अब नारकोटिक्स ब्यूरो जिस गंभीरता से इस नशे के संजाल को जानने-समझने का प्रयास कर रहा है उससे उम्मीद बनी है कि इस कारोबार को नेस्त-नाबूद करने में कुछ मदद मिलेगी। कुछ जगहों पर प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के कारोबार के तथ्य लगभग उजागर हैं।

पंजाब में जब इस कारोबार ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बना ली और बड़े पैमाने पर युवा इसकी गिरफ्त में आने लगे, तो राज्य सरकार ने इसके कारोबार को रोकने का गंभीरता से प्रयास शुरू किया। मगर इस मामले में वहां अब तक पूरी तरह कामयाबी नहीं मिल पाई है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में ऐसे पदार्थों के उत्पादन और बिक्री के तथ्य उजागर हैं। वहां का प्रशासन इस पर कड़ी नजर रखता है, पर इस कारोबार को पूरी तरह रोक पाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। दिल्ली के आसपास के इलाकों में रेव पार्टियों के खुलासे भी समय-समय पर होते रहते हैं, जिन पर छापे मार कर पुलिस मादक पदार्थों और उनका सेवन और बिक्री करने वालों पर नकेल कसने का प्रयास करती रही है। मुंबई की फिल्मी दुनिया में भी मादक पदार्थों का चलन लगभग जाना-पहचाना तथ्य है। मगर हैरानी की बात है कि इस संजाल को तोड़ पाना अब तक संभव नहीं हो पाया है।

मादक पदार्थों की तस्करी, खरीद-बिक्री पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी नारकोटिक्स ब्यूरो पर है, जो इस मामले में अब तक विफल ही साबित हुआ है। अच्छी बात है कि नारकोटिक्स विभाग फिल्मी दुनिया में मादक पदार्थों के तार तलाशने में जुटा है,

पर इस मामले में तब तक उसकी कामयाबी नहीं मानी जाएगी, जब तक कि वह असली खिलाड़ियों पर चंगुल कसना न शुरू करे। अक्सर देखा गया है कि मादक पदार्थों के मामले में छोटी मछलियों को पकड़ कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है। जबकि मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री का तंत्र बहुत जटिल है और इसका कारोबार बहुत संगठित रूप से चलाया जाता है। इसके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हैं और कई प्रभावशाली लोग भी इसमें शामिल माने जाते हैं। इसलिए कई बार नारकोटिक्स विभाग के लिए असल खिलाड़ियों पर हाथ डालना मुश्किल होता है। मुंबई फिल्मी दुनिया के जिन लोगों को तलब किया गया है, उन पर आरोप है कि वे मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। मगर असल समस्या उन लोगों को पकड़ने की है, जो इस कारोबार का संचालन करते हैं। जब तक उन्हें नहीं पकड़ा जाता, इस समस्या की जड़ पर प्रहार नहीं हो पाएगा।

नदियों को बांधने की कीमत

सुरेश देसाई

बिहार की बागमती नदी से बाढ़-सुरक्षा दिलाने की बात एक बार फिर चर्चा में है। यह नदी काठमांडू से करीब 16 किलोमीटर उत्तर-पूर्व शिवपुरी पर्वतमाला से निकलकर 195 किलोमीटर की यात्रा करती हुई सीतामढ़ी जिले के ढेंग नामक स्थान में भारत में दाखिल होती है। यहां से यह 394 किलोमीटर की यात्रा करती हुई बद्लाघाट (खगड़िया) में कोसी में मिल जाती है। अपनी उपजाऊ सिल्ट (गाद) और सदानीरा स्वरूप के कारण यह नदी पवित्र मानी जाती है। हालांकि, उत्तर बिहार की अन्य नदियों की तरह अपनी धारा बदलने के लिए यह भी कुख्यात है। सन 1750 से 1983 तक इसकी धारा में 11 बार परिवर्तन के रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। धारा-परिवर्तन का सीधा संबंध बाढ़ से है और बाढ़ नदी क्षेत्र में बसने वाले लोगों की जीवनचर्या का अभिन्न अंग है। गाद से होने वाले लाभ और पानी की प्रचुरता ने हमारे पूर्वजों को बाढ़ क्षेत्र में बसने के लिए प्रेरित किया होगा। यह सौदा हमेशा फायदेमंद रहा है।

बहरहाल, आजादी के काफी पहले से कोसी नदी की बाढ़ चर्चा में थी और उस समय बाढ़ से बचने का एक ही सहज उपाय था, तटबंधों का निर्माण। बांध बन जाने से नदी की पेटी का ऊपर उठना, सुरक्षित क्षेत्र में जल-जमाव, तटबंधों को ऊंचा करते रहने की मजबूरी और उनका टूटना सामान्य घटनाएं हैं। अंगरेज सरकार ने कोसी को नियंत्रित करने के लिए मनसूबे बांधे, मगर किया कुछ नहीं, क्योंकि वह जानती थी कि उसकी आमदनी के लिहाज से यह घाटे का सौदा है। दामोदर नदी को बांधकर धोखा खाने के बाद उसने 1860 के दशक में ही बांधों से तौबा कर ली थी। देश आजाद हो जाने के बाद हमारी सरकार ने कुछ अलग करने की नीयत से नदियों के किनारे तटबंध बनाने शुरू किए और जाहिर था, यह काम कोसी से शुरू किया जाता। सन 1955 से कोसी पर तटबंधों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। बिहार में कोसी के तटबंधों का काम जब शुरू हुआ, तभी यह लगभग तय हो गया था कि गंडक परियोजना में भी हाथ लग जाएगा। इन दोनों ही नदियों के साथ-साथ अन्य नदियों के इलाके की जनता और उनके नेताओं में भी कुछ कर गुजरने का भाव जगा। कोसी व गंडक को लेकर तो पहले से भी कुछ तैयारी थी, मगर बागमती या कमला, बूढ़ी गंडक जैसी नदियों के हिस्से में सिर्फ बातें थीं।

इन क्षेत्रों के लोगों ने अपने-अपने नेताओं पर दबाव डाला और वे मुखर भी हुए। नतीजतन, इन नदियों से बाढ़-सुरक्षा की भी बात चली। लेकिन उस वक्त तक इंजीनियरों का मत था कि धारा बदलने वाली अस्थिर नदी पर तटबंध बनाना उचित नहीं है, क्योंकि इससे परेशानियां बढ़ जाती हैं। यह बात अलग है कि कोसी जैसी अस्थिर नदी पर भी बांध बनाए ही जा रहे थे। अब वे परेशानियां क्या-क्या हैं, उन्हें हम सभी भोग चुके हैं। बागमती एक अस्थिर नदी है, पर उसकी काट खोज ली गई कि यह नदी निचले छोर पर स्थिर है और हायाघाट से लेकर इसके कोसी से संगम तक तटबंध बनाए जा सकते हैं, और वे1950 के दशक में बन भी गए। लेकिन उसके साथ यह भी कहा गया कि हायाघाट के प्रति-प्रवाह में बागमती स्थिर नहीं है, इसलिए हायाघाट और ढेंग के बीच तटबंध नहीं बनाए जाने चाहिए। लेकिन इस अस्थिर भाग में भी ढेंग से सीतामढ़ी के रुन्नी सैदपुर तक 1970 के दशक में तटबंध बना दिया गया। तब तर्क यह दिया गया था कि नदी का बीच का भाग, जो रुन्नी सैदपुर से लेकर हायाघाट तक का क्षेत्र है, एक तश्तरी जैसा है और उसी इलाके में नदी अस्थिर है। इसलिए उसको खुला छोड़ देना चाहिए, ऊपर वाले क्षेत्र में बांध बनाना चाहिए। और वह स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद 1975 तक आते-आते तैयार भी कर दिया गया।

वर्ष 2007 की राज्यव्यापी बाढ़ ने बागमती के बीच वाले हिस्से पर तटबंध बनाने की चाहत को नए सिरे से हवा दी। अब इस इलाके की, जहां नदी तकनीकी तौर पर अस्थिर मानी जाती थी, प्रोजेक्ट रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई है और स्थानीय लोगों की इच्छा के विरुद्ध यह कोशिश हो रही है कि इस हिस्से में भी नदी को घेर लिया जाए। स्थानीय जनता इन तटबंधों के खिलाफ है। अव्वल तो यह क्षेत्र एक तश्तरी की तरह है, फिर तटबंध की ऊंचाई यहां ज्यादा होगी, क्योंकि जमीन नीची है। यह बांध पानी की निकासी में बाधा डालेगा और बरसात में जो पानी यहां जमा होगा, वह नदी में जाएगा ही नहीं। नतीजतन, इस तश्तरी में अटका पानी या तो हवा में भाप बनकर उड़ेगा या धरती में रिस-रिसकर समाप्त होगा। इसका खेती पर भी बुरा असर पड़ेगा। फिर तटबंध टूटेगा नहीं, इसकी गारंटी कौन लेगा? सरकारी रिकॉर्डों के हिसाब से ही बागमती नदी के तटबंध 1987 से 2010 के बीच 58 बार टूटे हैं। इतना ही नहीं, जो तटबंध अब बनने जा रहा है, उसके बीच में मुजफ्फरपुर जिले के कटरा व गायघाट प्रखंड, समस्तीपुर जिले का कल्याणपुर प्रखंड और दरभंगा जिले के सिंघवारा, हनुमाननगर, बहादुरपुर व हायाघाट प्रखंडों के 109 गांव आएंगे। उनका क्या हश्र होगा, यह किसी से छिपा नहीं है, खासतौर से यह देखते हुए कि हायाघाट से बद्लाघाट तक बांध-निर्माण की वजह से विस्थापित लोगों के पुनर्वास का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। ढेंग से रुन्नी सैदपुर तक जो 94 गांव तटबंधों के बीच फंसे थे, उन सबका पुनर्वास भी अब तक पूरा नहीं हुआ है।

आम जनता को बाढ़ से सुरक्षा चाहिए, लेकिन वह मिल सकेगी और उसके लिए क्या कीमत चुकानी होगी, इस पर विचार जरूरी है। नदियों को स्थिर होने में सदियां गुजर जाती हैं। फिर, हम उन बूढ़े-बुजुर्गों को क्या कहेंगे, जो कहते नहीं थकते कि पहले पानी आता था और चला जाता था।

बाढ़ ढाई दिनों की होती थी, जिससे ताजा मिट्टी खेतों में आती थी। मगर अब पानी जाता नहीं है। हायाघाट के रेल पुल से इस साल 14 जुलाई से 20 अगस्त तक रेलगाड़ी बाढ़ के पानी के कारण नहीं चल पाई। यह वही पानी है, जो 109 गांवों के लोगों के ऊपर से गुजरकर वहां पहुंचेगा। साफ है, समस्या पानी की निकासी की है और तटबंध इसे बढ़ाते ही हैं। ऐसे में, यदि एक बार हायाघाट से बद्लाघाट और ढेंग से लेकर रुन्नी सैदपुर तक बनाए गए तटबंधों का मूल्यांकन करके कोई निर्णय लिया जाता, तो बहुत अच्छा होता।

ड्रैगन के सामने निडर ताइवान

भूपेन्द्र पटेल

वैसे तो अपनी हर भौगोलिक सीमा पर चीन का आक्रामक रुख बना हुआ है, लेकिन ताइवान के खिलाफ उसके तेवर खासतौर से गरम दिख रहे हैं, क्योंकि हाल के हफ्तों में उसने अमेरिका के कई वरिष्ठ मंत्रियों का अपने यहां स्वागत किया है। स्थिति यह है कि जिस दिन अमेरिका के आर्थिक मामलों के अवर मंत्री कीथ क्राच राजधानी ताइपे पहुंचे, उसी दिन चीन ने अपने युद्धक विमान फिर से ताइवान की सीमा में भेजे, जिनको खदेड़ना ताइपे की मजबूरी हो गई। क्राच पिछले चार दशकों में ताइवान का दौरा करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। अपनी नाराजगी दिखाने के लिए चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य के पास सैन्य अभ्यास की घोषणा तक कर दी। मानो ताइवान को निशाना बनाना ही काफी नहीं था, चीन की वायु सेना ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम एच-6 बमवर्षक विमानों का एक वीडियो भी जारी किया, जो अमेरिकी प्रशांत द्वीप गुआम के एंडरसन एयरफोर्स बेस की तरह दिखने वाले किसी जगह पर नकली हमले कर रहे थे।

चीन का मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने भी अपनी शैली में हमले किए और लिखा, 'ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन अमेरिका के वरिष्ठ विदेश अधिकारी के साथ डिनर करके आग से खेल रही हैं। अगर उकसावे की उनकी किसी हरकत से चीन के 'एंटी-सिसेशन' यानी उससे अलग न होने वाले कानून का उल्लंघन होता है, तो जंग छिड़ जाएगी और फिर वेन को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी'। चीनी विदेश मंत्रालय का भी बयान आया कि ताइवान जलडमरूमध्य में विभाजक-रेखा नहीं है, क्योंकि वह चीन का अभिन्न हिस्सा है।

हालांकि, ऐसा नहीं लगता है कि इन सबसे ताइवान की राष्ट्रपति की अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने की योजना पर कोई खास असर पड़ा है। उन्हें यह 'भरोसा है कि इंडो-पैसिफिक यानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए ताइवान और अमेरिका मिलकर काम करना जारी रखेंगे, जिनका इस क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा'। ताइपे ने बीजिंग को यह चेतावनी भी दी है कि उसकी सेना को आत्मरक्षा व जवाबी हमले का अधिकार है, हालांकि वह न तो उकसावे की कोई कार्रवाई करती है और न ही तनाव बढ़ाने की वजह बनती है।

चीन लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था वाले ताइवान पर अपना दावा हमेशा से जताता रहा है। इसके लिए सेना के इस्तेमाल से भी न हिचकने की बात उसने कही है। मगर हाल के वर्षों में उसकी पकड़ कमजोर हुई है, और लगता है कि हांगकांग की दुर्दशा देखकर ताइवान नहीं चाहता कि वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन रहे। उधर, ट्रंप प्रशासन भी विभिन्न रास्तों से ताइवान की ओर हाथ बढ़ाता दिख रहा है। क्राच से पहले, अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री एलेक्स अजार ताइवान जा चुके हैं, जिनकी यात्रा इन खबरों के बीच हुई थी कि अमेरिका ताइवान को कई मारक हथियार बेचने जा रहा है, जो हाल के वर्षों का सबसे बड़ा सौदा है। इन हथियारों में लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं, जिनसे संघर्ष के समय में ताइवानी जेट चीनी विमानों को निशाना बना सकें। अभी पिछले साल ही वाशिंगटन ने ताइवान को आठ अरब डॉलर के 66 एफ-16 जेट विमान बेचने की घोषणा की थी।

ताइवान की सेना भी हथियारों की ऐसी आधुनिक प्रणाली चाहती है, जो बीजिंग के साथ होने वाली शांति-वार्ताओं में उसे फायदा पहुंचाए।

ताइवान और चीन के परस्पर-अनुबंध संबंधी मुद्दे पर भी ट्रंप प्रशासन ने काफी कड़ा रुख अपनाया है। इसके अलावा कई अन्य मसलों पर तनातनी की वजह से भी बीजिंग और वाशिंगटन के रिश्ते सुर्खियों में बने हुए हैं। ट्रंप अमेरिकी चुनाव में एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में भी प्रचार कर रहे हैं, जो चीन के खिलाफ काफी सख्त रहा है और व्यापार, प्रौद्योगिकी व भू-राजनीतिक मुद्दों पर बीजिंग के साथ अत्यधिक असमान रिश्ते को सख्त तेवर के साथ संतुलित करने में सफल साबित हुआ है। मगर सच यह भी है कि ताइवान के मुद्दे पर अमेरिकी कांग्रेस में दोनों दल एक हैं, और ऐसी कोई संभावना नहीं है कि जो बिडेन की सरकार (जिसके सत्ता में आने का अनुमान लगाया जा रहा है) ताइपे के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को कोई कम कर देगी।

कोविड-19 महामारी का जिस तरह से ताइवान ने मुकाबला किया है, उसके लिए भी उसकी दुनिया भर में तारीफ हो रही है। उसने यह सफलता तब हासिल की है, जब चीन ने महामारी के बारे में शुरू में कुछ नहीं बताया और न ही इसे थामने की दिशा में पर्याप्त कदम उठाए। इतना ही नहीं, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां चीन का कद घट रहा है, वहीं ताइवान का बढ़ने लगा है। कई देशों ने 'एक चीन' नीति पर इसलिए हामी भरी थी, क्योंकि वे बीजिंग की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहते थे, लेकिन अब वे भी अपने फैसले की समीक्षा करने लगे हैं। साफ है, आज आक्रामक चीन की तुलना में ताइवान कहीं ज्यादा जिम्मेदार मुल्क का प्रतीक बन गया है।

भारत भी चीन से साथ अपने रिश्ते को फिर से गढ़ना चाहता है, क्योंकि बीजिंग और नई दिल्ली के संबंध इन दिनों बिगड़े हुए हैं, जबकि ताइवान के साथ सहयोग के नए रास्ते खुलने लगे हैं।

ताइवान की राष्ट्रपति इस नई दोस्ती को सींचने को लेकर काफी खुश हैं और उनकी 'न्यू साउथबाउंड पॉलिसी' (एनएसपी) दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंध बढ़ाने की वकालत करती है। भारत कई मामलों में ताइवान का स्वाभाविक साझीदार है।

भारत को अक्सर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के कमजोर सदस्यों के हक-हुकूक की आवाज कहा जाता है। उसे अपनी रणनीति में अब ताइवान को प्राथमिकता देनी चाहिए। और ऐसा करने की वजह सिर्फ चीन नहीं है, बल्कि ताइवान वह मुल्क है, जिसके साथ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों को आगे बढ़ाना वक्त का तकाजा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा वोडाफोन

परमानेंट कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन के फैसले के बाद इस मामले में भारत सरकार की देनदारी करीब 75 करोड़ रुपये तक सीमित होगी। इसमें 30 करोड़ रुपये लागत और 45 करोड़ रुपये कर वापसी शामिल है।कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि भारत सरकार की तरफ से द्विपक्षीय निवेश संधि को तोड़ने की कोशिश की गई।

क्या है यह विवाद? वोडाफोन ने 2007 में हच को खरीद कर भारतीय बाजार में एंट्री की थी। वोडाफोन ने हच मे 67 फीसदी हिस्सेदारी उस समय 11 अरब डॉलर में खरीदी थी। इस डील में हच का इंडियन टेलिफोन बिजनस और अन्य असेट शामिल हैं। उसी साल सरकार ने वोडाफोन से कहा कि उसे कैपिटल गेन और विद होल्डिंग टैक्स के रूप में 7990 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। ऐसे में वोडाफोन को पेमेंट से पहल यह पैसा टैक्स के रूप में काट लेना चाहिए।

बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा वोडाफोन

वोडाफोन इनकम टैक्स के इस दावे के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के हक में फैसला सुनाया। बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वोडाफोन पर हिस्सेदारी खरीदने के कारण टैक्स लाएबिलिटी नहीं बनती है। उसने इनकम टैक्स ऐक्ट 1961 का जो अर्थ निकाला है, वह ठीक है। प्रणब मुखर्जी ने बदला था कानून उस समय प्रणब मुखर्जी देश के वित्त मंत्री थे। उन्होंने फाइनैंस ऐक्ट में बदलाव कर दिया। फाइनैंस ऐक्ट में बदलाव के कारण इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स का पावर मिल गया। इस टैक्स के लागू होते ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट वोडाफोन से टैक्स वसूली के लिए पीछे पड़ गया।

क्या होता है रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स?

रेट्रोस्पेक्टिव टैक्सेशन टैक्स की वह प्रक्रिया है, जिसमें यह कानून के पास होने की तारीख से पहले लागू हो जाती है। मतलब, अगर 26 सितंबर 2020 को यह कानून पास किया जाता है तो इसे 20 सितंबर 2020 को भी लागू किया जा सकता है। कोई भी देश इस तरह के कानून इसलिए पास करता है ताकि वहां के टैक्स डिपार्टमेंट को टैक्स वसूली में कानूनी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े। टैक्स विवाद होने पर सरकारें रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स रूट का सहारा लेती हैं और अपने वर्तमान कानून में संशोधन करती हैं, फिर उसे पुरानी तारीख से लागू कर दिया जाता है।

मुंबई के लिए तीन और स्पेशल ट्रेनें, रेलवे बोर्ड ने दी हरी झंडी, गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ के यात्रियों को राहत

रेलवे बोर्ड ने मुंबई के लिए तीन और स्पेशल ट्रेनों के प्रपोजल पर शुक्रवार को मुहर लगा दी। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पीके सिंह ने बताया कि इनके संचालन से गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ और रास्ते के स्टेशनों से मुंबई का सफर करने वालों का अगले हफ्ते से राहत मिल सकेगी। 05063 गोरखपुर-एलटीटी स्पेशल 28 से

28 सितंबर से यह ट्रेन हर सोमवार गोरखपुर से सुबह 5:30 बजे रवाना होकर दोपहर 2:20 बजे लखनऊ आएगी। फिर अगली शाम 16:00 बजे एलटीटी पहुंचेगी। वापसी में 05064 हर मंगलवार को शाम 17:50 बजे छूटकर अगले दिन देर शाम 19:55 बजे लखनऊ और तड़के 4:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

05065 गोरखपुर-पनवेल स्पेशल 29 से

29 सितंबर से यह ट्रेन मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को गोरखपुर से सुबह 5:30 बजे छूटकर दोपहर 2:20 बजे लखनऊ और अगली शाम 4:20 बजे पनवेल पहुंचेगी। वापसी में 05066 पनवेल-गोरखपुर स्पेशल सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार शाम 5:50 बजे पनवेल से छूटकर अगली शाम 7:55 बजे लखनऊ और तड़के 4:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

05067 गोरखपुर-बांद्रा वीकली स्पेशल 30 से 30 सितंबर को यह ट्रेन गोरखपुर से तड़के 5:30 बजे छूटकर दोपहर 2:20 बजे लखनऊ और दूसरे दिन 7:10 बजे बांद्रा टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में 05068 बांद्रा-गोरखपुर वीकली स्पेशल दो अक्टूबर शुक्रवार रात 12:20 बजे रवाना होकर दूसरे दिन लखनऊ सुबह 9:35 बजे और शाम 5:35 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- वेश्यावृत्ति अपराध नहीं, तीन युवतियों को सुधारगृह से रिहा करने के दिए आदेश

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि वेश्यावृत्ति कानूनन जुर्म नहीं है, न ही यह दंडनीय अपराध है लेकिन सार्वजनिक जगहों पर ऐसा करना जुर्म है। हाई कोर्ट ने लोअर कोर्ट के उन आदेशों को पलट दिया जिनमें तीन महिलाओं को एक साल से सुधारगृहों में रख गया था। हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि तीनों को जल्द रिहा किया जाए। पिछले साल मलाड के एक गेस्ट हाउस से तीन महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा था। इन तीनों को पीड़ति बताते हुए एक दलाल को भी पकड़ा और देह व्यापार रोकथाम अधिनियम के तहत इन पर केस दर्ज किया था। जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण ने गुरुवार को दिए आदेश में कहा, 'कानून के तहत व्यवसायिक उद्देश्य के लिए यौन शोषण करना या सार्वजनिक जगह पर अशोभनीय हरकत को अपराध माना गया है।' कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि व्यस्क महिला को अपना पेशा चुनने का अधिकार है। उसे उसकी सहमति के बिना सुधारगृह में नहीं रखा जा सकता।

मुंबई में ड्रग का 'किंग'कौन? मेन सप्लायर का पता ढूंढ रही एनसीबी

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच में रिया चक्रवर्ती के बाद बॉलिवुड के कई बड़े सिलेब्रिटीज के नाम और ड्रग चैट सामने आने लगे। मामले की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीमें अब जहां बॉलिवुड में फैले ड्रग्स के जाल को खंगाल रही हैं वहीं साथ ही साथ पूरे मुंबई में फैले ड्रग नेटवर्क को खंगालकर इसके मुख्य सरगना का पता लगाने की भी कोशिश की जा रही है।

हमारे सहयोगी चैनल टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीबी ने अभी तक मामले से जुड़े जितने भी लोगों से पूछताछ की है, उन सभी के स्टेटमेंट्स का मिलान किया जा रहा है। एनसीबी चाहती है कि इसके जरिए किसी भी तरह से मुंबई में चल रहे इस ड्रग्स के धंधे के सरगना की जानकारी मिल जाए। दिल्ली से मुंबई जांच के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम उन ड्रग पेडलर्स के कॉन्टैक्ट्स भी खंगाल रही है जो बॉलिवुड और टीवी इंडस्ट्री के लोगों को ड्रग्स सप्लाई कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में एनसीबी के रेडार पर 39 से ज्यादा लोग हैं जो किसी न किसी तरह से इस ड्रग्स के लेन-देन और इस्तेमाल में शामिल हैं। बताया जा रहा है कि दीपिका पादुकोण और उनकी मैनेजर करिश्मा से पूछताछ के जरिए एजेंसी इस मामले में और लोगों के नामों की जानकारी चाहती है ताकि ड्रग्स से जुड़े लोगों की पूरी चेन का पता चल सके।

इसीलिए एनसीबी के सीनियर अधिकारी भी इस पूछताछ में शामिल हैं।

दीपिका के बाद शनिवार को सारा अली खान और श्रद्धा कपूर से भी ड्रग चैट के मामले पर पूछताछ हो रही है।

'फिट इंडिया अभियान' के साथ 'फिट महाराष्ट्र' भी चाहिए

मुंबई, धीरे-धीरे ही सही, लेकिन आम जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। केंद्र सरकार की ओर से छूट दिए जाने के बाद मॉल्स, होटल, रेस्तरां और ऑफिस कई जगह खुल चुके थे। जिम, सलून और पार्क जैसे पब्लिक प्लेसेज खोलने की इजाजत भी केंद्र से मिल चुकी है। महाराष्ट्र, खासकर मुंबई में कोरोना संक्रमण के सर्वाधिक मामले सामने आए हैं, जिसे देखते हुए अब भी राज्य सरकार की सख्ती का दौर जारी है।

सख्ती के चलते फिटनेस प्रेमी खुद को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए जिम नहीं जा पा रहे हैं। मुंबई में जिम खोलने की अनुमति राज्य सरकार ने अब तक नहीं दी है। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'फिट इंडिया अभियान' की पहली वर्षगांठ पर फिटनेस को लेकर जागरूकता का प्रसार करने वाले लोगों से बातचीत की और इस दौरान 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' मंत्र भी दिया। इस पर मुंबई में फिटनेस इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से प्रतिक्रिया जाननी चाही, तो उनका दुख जुबान पर आते देर नहीं लगी। उन्होंने कहा कि मुंबई में तो फिटनेस साधना के केंद्र जिम ही 7 महीने से बंद पड़े हैं, तो लोग खुद को फिट कैसे रख पाएंगे।

सरकार अब तो सुध ले हमारी

महाराष्ट्र में जिम मालिकों की संस्था महाराष्ट्र जिम ओनर्स असोसिएशन के फाउंडर मेंबर निखिल राजपुरिया ने कहा कि जिम खोलने पर पाबंदी पिछले 7 महीने से जारी है, जिसने जिम के मालिकों की ही नहीं, बल्कि यहां काम करने वाले फिटनेस ट्रेनर्स की कमर तोड़कर रख दी है। आर्थिक तंगी के चलते मुंबई के 40 प्रतिशत जिम बंद हो चुके हैं। हालत यह है कि जिम के मालिक जिम में लगी मशीनों को बेचकर घर का खर्च चला रहे हैं। इससे बुरी हालत तो ट्रेनर्स की है, जिन्होंने परिवार का खर्च चलाने के लिए पेशा ही बदल लिया। कोई सब्जी बेच रहा है, तो कोई डिलिवरी बॉय के तौर पर काम कर रहा है। कई लोग तो मुंबई को अलविदा कहकर मूल राज्य लौट चुके हैं। राज्य सरकार से अनुरोध है कि हमारी सुध ले और जल्द से जल्द जिम खोलने की अनुमति दे। मुंबई में ही एक जिम में बतौर काम करने वाले महादेव शांताराम हड़शी ने कहा कि जिम इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की हालत खराब है। अधिकतर जिम किराए की जगह पर हैं। किराया न दे पाने के कारण जगह के मालिक ने जिम मालिक को बोरिया बिस्तर समेटने को बोल दिया है।

कागजों में सिमटा रह गया क्लस्टर परियोजना का काम

ठाणे, ठाणे के भिवंडी स्थित 37 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह गई। गहरी नींद में सो रहे 20 से ज्यादा लोग मौत का शिकार हुए। घटना के बाद दो मनपा अधिकारियों को निलंबित किया गया और उनके खिलाफ़ जांच का आदेश दिया गया है। मनपा आयुक्त पंकज आशिया ने हादसे की जांच के लिए एक कमिटी भी बनाई है। पुलिस ने बिल्डर सैयद जिलानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ठाणे जिले में इस तरह इमारत का गिरना कोई नई घटना नहीं है। कुछ साल पहले ठाणे के शिल डायघर स्थित लकी कंपाउंड में इमारत गिरने से मलबे की चपेट में आने से 74 लोगों की मौत हुई थी। ठाणे शहर में इमारत गिरने की अन्य दुर्घटनाओं में करीब 50 लोगों की जानें गई हैं। ठाणे शहर सहित जिले के विभिन्न हिस्से में बड़ी संख्या में वैध-अवैध खतरनाक, जर्जर इमारतें, चालें हैं। अपनी जान को जोखिम में डाल लाखों लोग इनमें गुजर बसर करने को मजबूर हैं। लंबी राजनीतिक लड़ाई और आंदोलन के बाद ठाणे शहर में

क्लस्टर परियोजना को आखरिकार लागू किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार 5 फरवरी को ठाणे शहर आए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने वागले इस्टेट में महत्वाकांक्षी क्लस्टर परियोजना का शिलान्यास किया था। उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण में उक्त परियोजना को देश की सबसे बड़ी परियोजना बताया था। मुख्यमंत्री ने क्लस्टर योजना की तारीफ करते हुए कहा था कि अपनी जान को जोखिम में डालकर खतरनाक इमारतों में रहने वालों के लिए योजना वरदान है। इसके बाद शहर की खतरनाक इमारतों में रहने वालों को उनके शीघ्र पुनर्वसन की आस जग गई थी। लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते शिलान्यास के बाद परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई और कागज पत्रों में सिमट कर रह गई है। मुंबई छोड़ ठाणे और आसपास के एमएमआर रीजन के विकास के लिए स्वतंत्र एसआरए प्राधिकरण की घोषणा की गई है, लेकिन उस पर अभी ठोस कुछ नहीं हो पाया है। भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर इन स्थानों पर भी बड़ी संख्या में खतरनाक, जर्जर इमारतें हैं। मुंब्रा-दिवा परिसर में भी बड़ी संख्या में खतरनाक इमारतें हैं। इसके लिए भी आगे कुछ नहीं हुआ है।

एसआरए योजना का भी यही हाल

एसआरए योजना को लेकर भी लोगों का अनुभव ठीक नहीं रहा है। ठाणे शहर में 2016 में एसआरए लागू होने के बाद से करीब 25 से अधिक काम शुरू हुए, जिनमें से महज 4 से 5 को ही मंजूरी मिली है। लोगों का आरोप है कि उक्त योजना के तहत बिल्डर काम तो ले लेते हैं, लेकिन कई सालों ऐसे ही रहना पड़ता है। हर साल वर्षा पूर्व मनपा की तरफ से खतरनाक इमारतों की सूची बनाई जाती है। इमारतों में रहने वालों को नोटिस दिया जाता है। खाना-पूर्ति होती है। लेकिन आशियाना छीनने के डर से कोई घर से बाहर नहीं निकलता है। लोग जान को खतरे में डालकर वहीं डटे रहते हैं। और फिर ऐसे ही कोई रात उनके लिए काली रात साबित होती है और हादसे में लोग मौत के आगोश में समा जाते हैं।

नगरसेवक के बेटे ने की सौतेले भाई की हत्या, फरार

ठाणे, संपत्ति विवाद के चलते ठाणे एमएनपी के शिवसेना नगरसेवक माणिक पाटील के बेटे सचिन पाटील ने अपने सौतेले भाई राकेश पाटील की हत्या कर दी। सचिन ने राकेश का शव नवी मुंबई की खाड़ी में फेंक दिया था। राकेश नगरसेवक माणिक पाटील की दूसरी पत्नी से पैदा हुआ था, जो माणिक से अलग रहती थी। इनमें संपत्ति का विवाद चल रहा था। कासरवडवली पुलिस ने सचिन पाटील तथा नगरसेवक के ड्राइवर गौरव सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। सचिन फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 20 तारीख को राकेश पाटील (34)अचानक गायब हो गया था। बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट माणिक पाटील ने कासरवडवली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। छानबीन के बीच पता चला कि पाटील के घर में रखे साढ़े तीन किलो वजन के गहने भी हैं। इसके बाद पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस को जांच के दौरान राकेश की मोटरसाइकिल माणिक के ड्राइवर गौरव सिंह के पास मिली।

इसके बाद पुलिस ने गौरव सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या का मामला सामने आया। सीनियर पीआई किशोर खैरनार ने गौरव सिंह को गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, माणिक पाटील के घोड़बंदर रोड के वाघबिल स्थित बंगले और कुछ अन्य संपत्तियों को लेकर सचिन और राकेश के बीच विवाद चल रहा था।

20 तारीख को सचिन ने गौरव सिंह के साथ मिलकर पिस्टल से फायरिंग कर अपने सौतेले भाई राकेश की हत्या कर दी थी और उसके बाद सबूत को मिटाने के लिए शव को नवी मुंबई स्थित वाशी खाड़ी में फेंक दिया था। पुलिस खाड़ी में फेंके गए शव की खोज कर रही है।

माणिक पाटील की एक से अधिक पत्नियां हैं। उसकी पत्नी संगीता पाटील तथा प्रतिभा पाटिल पूर्व में शिवसेना की नगरसेवक थीं। वर्ष 2017 में एमएनपी चुनाव के समय उम्मीदवारी को लेकर पति-पत्नी में संघर्ष हुआ था। शिवसेना ने माणिक को उम्मीदवारी दी थी। इसके बाद संगीता से उसकी कहासुनी हुई थी और माणिक ने गुस्से में संगीता के सिर पर नारियल दे मारा था। उससे पहले भी संगीता पाटील के ऊपर उसके आफिस में जानलेवा हमला हुआ था। उसके पीछे माणिक पाटील का हाथ बताया गया था। माणिक पाटील तथा संगीता पाटील के बीच लंबे अरसे से विवाद चल रहा है। दोनों अलग रहते हैं।

रामदास आठवले का दावा, 'मौत से पहले दिशा सालियान को बेडरूम में किया गया था टॉर्चर

मुंबई, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि दिशा सालियान को 8 जून की रात उनके मास्टर बेडरूम में टॉर्चर किया गया था। इसी के साथ उन्होंने दिशा सालियान केस की सीबीआई जांच की मांग की। आठवले ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में सीबीआई को जल्द से जल्द जांच पूरा करने के लिए कहा।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा, 'हमने सुना है कि सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियान को 8 जून की रात उनके घर में पार्टी के दौरान मास्टर बेडरूम में टॉर्चर किया गया था। इसलिए सीबीआई को दिशा की मौत की भी जांच करनी चाहिए और जल्द ही निष्कर्ष पर आना चाहिए।'

सुशांत की पूर्व मैनेजर थीं दिशा

बता दें कि 8 जून को दिशा सालियान की उनके अपार्टमेंट की 14 वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। दिशा सालियान, सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर रह चुकी थीं। उसके बाद 14 जून को सुशांत ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया था। ऐसे में सोशल मीडिया के साथ ही साथ कई सितारों और नेताओं का ऐसा कहना है कि सुशांत और दिशा की मौत एक दूसरे से जुड़ी है। सीबीआई सुशांत की मौत की जांच कर रही है।

आठवले ने कहा, 'हमें ड्रग्स और इसके स्मगलिंग के आतंक को खत्म करने की जरूरत है। एनसीबी को इसकी जांच करनी चाहिए लेकिन सीबीआई को भी जल्द ही केस की जांच पूरी करनी चाहिए और सुशांत की मौत से संबंधित नए ड्रग ऐंगल की जांच करनी चाहिए।'

परिवार ने कहा- गलत दिशा में जा रही जांच

बता दें कि एक दिन पहले सुशांत के पिता केके सिंह के वकील विकास सिंह ने कहा था कि सुशांत का परिवार सीबीआई जांच की गति और उसकी दिशा से संतुष्ट नहीं हैं। सुशांत के परिवार के वकील ने कहा था कि जांच गलत दिशा मे जाती दिख रही है। सारा ध्यान ड्रग की ओर दिया जा रहा है। जबकि, एम्स के डॉक्टर ने उनसे कहा है कि सुशांत की मौत गला घोंटने कारण हुई।

बीएमसी ने गलत नीयत से की कंगना रनौत के दफ्तर पर कार्रवाई

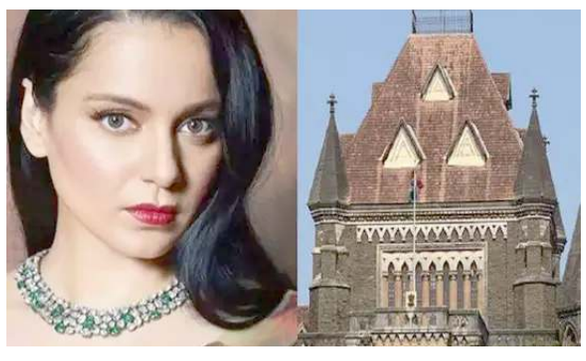

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत के दफ्तर में बीएमसी के द्वारा की गई तोड़-फोड़ की कार्रवाई को बॉम्बे हाई कोर्ट ने गलत बताया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि बीएमसी ने यह कार्रवाई गलत नीयत के साथ की है।

सर्वे करने वाले अधिकारी कौन थे

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि कसि तरह से इतनी जल्दी बीएमसी ने कार्रवाई की है। जतिनी तेजी से आपने एक दनि पहले सर्वे कयिा और अगले दनि कार्रवाई की, इतनी जल्दी तो आप कोर्ट में रप्लिाई भी नहीं करते। हाई कोर्ट ने पूछा है कि बीएमसी के वो अधकिारी कौन थे जो कंगना रनौत के दफ्तर सर्वे करने गए थे। कोर्ट ने कहा कि पहली बार मामले को देखने पर यही लगता है कि गलत नीयत से कार्रवाई की गई है।

कंगना के वकील बोले- कार्रवाई नहीं, दुश्मनी निकाली गई

कंगना रनौत के वकील ने कहा कि यह कार्रवाई नहीं है, दुश्मनी नकिाली गई है। कंगना महाराष्ट्र सरकार और शविसेना के खलिाफ खड़ी थी, इसलिए बीएमसी को हथयिार बनाया गया। उन्होंने आगे कहा कि वह घर पुराना था और मानसून का मौसम आ रहा था, इसलिए थोड़ी बहुत मरम्मत का काम हो रहा था।

तोड़ने में वक्त नहीं लगता, जवाब में समय लगता है- कोर्ट

बताते चलें कि कंगना रनौत ने बीएमसी के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दी थी। गुरुवार को कोर्ट ने कुछ देर सुनवाई हुई और फिर सुनवाई टाल दी गई थी। अब शुक्रवार को जिरह हो रही है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा था कि तोड़ने में आपको वक्त नहीं लगता, जवाब मांगा जाता है तो समय चाहिए? कोर्ट ने इमारत गिराने पर भी बीएमसी को फटकार लगाई। मकान गिराने में फुर्ती दिखती है तो मरम्मत में सुस्ती क्यों दिखाई देती है।

कंगना रनौत का ट्वीट

कंगना रनौत ने भी ट्वीट करते हुए लिखा था, 'हाईकोर्ट के माननीय जज, इसने मेरी आखों में आंसू ला दिए। मुंबई की बरसात में वास्तव में मेरा घर बिखर रहा है। मेरे टूटे हुए घर को लेकर आपने जिस सहानुभूति के साथ सोचा, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मेरा दिल पर लगा जख्म भर गया है। मैंने जिसे खो दिया था उसे वापस देने के लिए आपका शुक्रिया।'

डिजिटल तकनीक देगी कोरोना को मात

मुंबई, राज्य के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई को भरोसा है कि कोरोना संकट को डिजिटल तकनीक मात दे सकती है। बुधवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'सीआईआई हॉस्पिटल टेक-2020' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने कहा कि राज्य सरकार कोविड से लड़ाई लड़ रही है और सरकार की पहली प्राथमिकता भी इसे खत्म करना है। सरकार ज्यादा से ज्यादा जांच कराने पर जोर दे रही है, इसलिए कोरोना जांच की प्रयोगशालाओं की संख्या में तेजी से इजाफा किया गया है। आईसीयू बेड्स, ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ाई गई है। आने वाले दिनों में नए तकनीकी ज्ञान की सहायता से मरीजों की जांच की जाएगी।

उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार प्रतिदिन डेढ़ लाख जांच करने की योजना पर काम कर रही है। मेरा परिवार, मेरी जवाबदारी योजना सरकार ने शुरू की है। नई तकनीक का उपयोग करके कोरोना को अवश्य मात देंगे। राज्य सरकार सीआईआई की ओर से कार्यान्वित की जा रही टेली-आईसीयू परियोजना के लिए हर संभव सहयोग करेगी। इस अवसर पर ब्रिटिश उप उच्चायुक्त एलन गेमेल, डॉ. रमाकांत देशपांडे, सुधीर मेहता, जॉय चक्रवर्ती आदि उपस्थित थे।

जवानी में ध्यान रखेंगे तो बुढ़ापे में नहीं सताएंगी आंखों की ये बीमारियां

सोनल झालावाड़िया

बहुत साधारण-सी बात है कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, हमारे आंखें कमजोर होने लगती हैं। इसकी वजह पलकों की झुर्रियां, रेटिना का सिकुड़ना और आंखों की मसल्स का कमजोर होना होते हैं। साथ ही मोतियाबिंद जैसे रोग भी होते हैं, जो बढ़ती उम्र के साथ आंखों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

ये सभी प्राकृतिक कारण हैं। जबकि हम लोग तो टेक्नो वर्ल्ड में जीने के नाम पर अपनी आंखों के खुद ही दुश्मन बन बैठे हैं...बिना पलकें झपकाए देर तक मोबाइल स्क्रीन जो निहारते रहते हैं। ऐसे में बढ़ती उम्र के साथ आंखों की सेहत बहुत तेजी से गिर रही है। यहां जानें बढ़ती उम्र में होनेवाली आंखों से जुड़ी बीमारियों और उनके इलाज के बारे में...

आंखों का सूख जाना

-लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर और टीवी देखने के कारण हम अपनी पलकें सामान्य से कम झपकते हैं। इस कारण हमारी आई ग्लैंड सूख जाती हैं और आंखों में ऐसा लगने लगता है, जैसे कुछ किरकिरा रहा है। जबकि वास्तव में कुछ होता नहीं है। आंसू बनानेवाली ग्लैंड के सूख जाने से ये समस्याएं होती हैं...

- आंखों में जलन होना
- धुंधला दिखना
- नजर कमजोर होने से सिर में दर्द रहना
- आखें लाल होना
-तेज रोशनी सहन ना कर पाना
-प्राकृतिक रोशनी में आंखें ना खोल पाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

लगातार आंसू बहना

-हमारी आंखों की जिन नलियों में आंसू बनते हैं यदि वहां किसी कारण सूजन आ जाए तो ये आंसू बाहर नहीं निकल पाते हैं। इन नलियों को मेडिकल की भाषा में टियर डक्ट्स कहते हैं। टियर डक्ट्स से बाहर ना निकल पाने की स्थिति में आंसू सेक बैग (एक तरह की थैली) में जमा होने लगते हैं।

-आंखों में जमा हुए ये आंसू इंफेक्शन की वजह बन सकते हैं, जिस कारण लगातार आंखों से पानी बहते रहने की समस्या हो जाती है। इसका इलाज डॉक्टर से तुरंत कराना चाहिए। यूं ही मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर उपयोग ना करें।

बहुत सामान्य है प्रेसबियोपिया की समस्या

-कभी प्रेसबियोपिया की समस्या 40 की उम्र के बाद हुआ करती थी। लेकिन अब यह टीनेजर्स में भी देखने को मिल जाती है। इसके लिए हमारी लाइफस्टाइल, खान-पान और गैजेट्स का सबसे अधिक जिम्मेदार है।

-इस समस्या में व्यक्ति को पढ़ने-लिखने में दिक्कत होती है। किसी को पास की चीजें पढ़ने में दिक्कत आती है तो किसी को दूर की चीजें पढ़ने में। इन समस्याओं को नजर का चश्मा, रीडिंग ग्लासेज़ और अच्छी डायट के जरिए सुधारा जा सकता है।

मोतियाबिंद

-मोतियाबिंद में पेशंट को धुंधला दिखाई देता है और जब समस्या अधिक बढ़ जाती है तो दिखाई देना बिल्कुल बंद हो जाता है। कई बार मोतियाबिंद के कारण अलग-अलग रोशनी में वस्तुओं को देखना और पहचानना मुश्किल होता है। क्योंकि कई बार चीजें एक की जगह दो दिखाई देती हैं तो कई बार इमेज क्लियर नहीं होती है।

-लेकिन एक सामान्य सर्जरी के द्वारा मोतियाबिंद की समस्या का इलाज संभव है। इसलिए आपको इस समस्या के साथ परेशान रहने की जरूरत नहीं है बल्कि आंखों के डॉक्टर से मिलकर आप इस बीमारी का इलाज करा सकते हैं।

ग्लुकोमा की समस्या

-ग्लुकोमा आंखों से संबंधित एक ऐसी बीमारी है, जिसके शुरुआती लक्षणों के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। यह रोग अनुवांशिक तौर पर भी हो सकता है और शुगर के बढ़े हुए स्तर के कारण भी हो सकता है। कई बार दवाओं के रिऐक्शन के कारण भी ग्लुकोमा की समस्या होती है। रोगी की स्थिति के आधार पर डॉक्टर इसका इलाज करते हैं।

ऐसे बचें इन समस्याओं से

-आंखों की सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से बचने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप अपना स्क्रीन टाइम कम करें।

-इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर काम करते समय पलकें झपकाने का ध्यान रखें, आंखों से निश्चित दूरी पर इन गैजेट्स को रखकर इनका उपयोग करें।

-दिन में दो बार साफ और ठंडे पानी से आंखें धुलें। आंखों में 2 से 3 मिनट तक ठंडे पानी के छींटे दें।

-नहाते समय मुंह में पानी भरकर रखें और मग में पानी लेकर उसमें आंखों को कुछ देर के लिए डुबोंए। इस दौरान लगातार पलकें झपकाते रहें। इससे आंखों की थकान दूर होगी और रोशनी सही बनी रहेगी।

-यदि कई घंटे स्क्रीन पर काम करते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि इस दौरान रोशनी की सही व्यवस्था हो ताकि आंखों पर बुरा असर ना पड़े।

-किसी आई स्पेशलिस्ट से मिलकर एक अच्छी आई ड्रॉप के बारे में बात करें, जो आपकी आंखों पर स्क्रीन से पड़नेवाले बुरे असर को कम करे और आपकी आंखें लंबे समय तक स्वस्थ बनी रहें।

ब्रेन स्ट्रोक के बाद 'दादी सा' ने की घर वापसी, जानें बीमारी से जुड़ी जरूरी बातें

ब्रेन स्ट्रोक मस्तिष्क से जुड़ी एक ऐसी समस्या है, जो ऑक्सीजन की सही सप्लाई ना मिलने और ब्रेन नर्व्स में पोषक तत्वों का अभाव होने का कारण होती है। आमतौर पर यह समस्या बड़ी उम्र के लोगों में देखी जाती है लेकिन कुछ कारणों या बीमारियों के चलते यह हर उम्र के व्यक्ति को अपनी चपेट में ले सकती है।

छोटे पर्दे की दादी-सा को हुआ ब्रेन स्ट्रोक

पिछले दिनों टीवी सीरियल 'बालिक बधु' की दादी सा यानी वरिष्ठ अभिनेत्री सुरेखा सीकरी भी ब्रेन स्ट्रोक की जद में आ गई थीं। गंभीर स्थिति में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अब वे खतरे से बाहर हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। यहां जानें क्या होता है ब्रेन स्ट्रोक, इस बीमारी के लक्षण क्या होते हैं, किन कारणों से यह समस्या होती है और इसका इलाज कैसे किया जाता है...

ब्रेन स्ट्रोक के कारण

-जैसा कि हमने आपको बताया कि यह बीमारी तब होती है, जब दिमाग में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती है तो इसका सीधा संबंध नसों में खून की सप्लाई बाधित होने से होता है। क्योंकि हमारे शरीर में ऑक्सीजन और रक्त का प्रवाह एक-दूसरे के साथ संबंधित है।

-ऑक्सीजन और रक्त संचार की कमी के कारण दिमाग की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं। इस स्थिति में व्यक्ति खुद को संभाल नहीं पाता है और अपने शरीर के साथ ही अपनी कॉन्शियसनेस (चेतनावस्था) पर उसका कोई नियंत्रण नहीं रहता है।

पहचानने में मुश्किल होती है

- कॉन्शियसनेस खत्म होना एक बड़ी वजह है कि ब्रेन स्ट्रोक के बाद आमतौर पर पीड़ित व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों को भी नहीं पहचान पाता है। सूत्रों के अनुसार अभिनेत्री सुरेखा सीकरी को भी अपने परिजनों को पहचानने में दिक्कत आ रही थी। लेकिन स्थिति में सुधार के साथ ही अब वह लोगों को भलि प्रकार पहचान पा रही हैं।

ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण

-ऐसा नहीं है कि किसी व्यक्ति को एकाएक ब्रेन स्ट्रोक हो जाता है। बल्कि इस समस्या के होने से पहले शरीर में कुछ खास बदलाव दिखाई पड़ते हैं। जिन्हें नोटिस करने के बाद आपको तुरंत अपने प्रियजन को ऐसे हॉस्पिटल में लेकर पहुंचना चाहिए जहां उन्हें ब्रेन स्ट्रोक का ट्रीटमेंट मिल सके।

-ब्रेन स्ट्रोक से पहले व्यक्ति को शरीर में बहुत अधिक कमजोरी महसूस होती है।

-व्यक्ति चलने-फिरने में लाचारी महसूस करता है। कई बार एक ही बेड पर एक से दूसरी जगह खिसकने में भी दिक्कत होती है।

-मरीज को बात करने में असुविधा होती है या बातचीत के दौरान उसकी जुबान लड़खड़ाने लगती है और मुंह से शब्द साफ नहीं निकलते हैं।

इतने समय में इलाज जरूरी

-हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति में ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित लक्षण दिखें तो उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती करना चाहिए। क्योंकि ऐसे व्यक्ति को समय रहते इलाज मिल जाता है तो उसकी स्थिति को बहुत अधिक बिगड़ने से रोका जा सकता है।

-यदि रोगी को लक्षण समझ आने के 4 घंटे के अंदर ही इलाज मिल जाए तो स्थिति को गंभीर होने से रोका जा सकता है। साथ ही इससे पेशंट को ठीक होने में भी कम समय लगता है।

इन्हें रहता है अधिक खतरा

-बड़ी उम्र के लोगों को खासतौर पर 60 साल की उम्र के बाद ब्रेन स्ट्रोक का खतरा अधिक होता है। क्योंकि इस उम्र में शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण रक्त का प्रवाह भी कम होता है।

-जिन लोगों को डायबिटीज और ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन की समस्या हो, उन लोगों में इस बीमारी की चपेट में आने की आशंका अधिक होती है।

-जिन लोगों की फैमिली हिस्ट्री में शुगर, बीपी, ब्रेन स्ट्रोक या ब्रेन हेमरेज की बीमारियां रही हों, उन्हें अपनी सेहत को लेकर अधिक सावधानियां बरतनी चाहिए।

गलत टाइम पर आता है पेशाब, यह यूरिन इंफेक्शन है या पुरानी आदतों का परिणाम?

बढ़ती जागरूकता के चलते अब लोग बड़ी संख्या में अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बीमारियों को लेकर डॉक्टर्स के पास पहुंचने लगे हैं। इसका बड़ा श्रेय टेक्नॉलजी और एजुकेशन को जाता है। लेकिन आज भी बेडरूम लाइफ को लेकर हमारे समाज में बहुत अधिक कुंठा और झिझक देखने को मिलती है। जिस कारण पेशंट अपनी बात खुलकर नहीं कह पाते हैं और इस कारण उन्हें इसका सही इलाज भी नहीं मिल पाता है।

आम समस्या है यह

-फोर प्ले के वक्त या यौन संबंध बनाते समय यूरिन प्रेशर बनना एक आम समस्या है। यह आमतौर पर आपकी मानसिक सेहत और दैनिक जीवन से संबंधित क्रियाओं पर निर्भर होती है। जैसे, जो लोग बहुत अधिक मानसिक तनाव में रहते हैं, उन्हें बार-बार यूरिन आने की समस्या होती है।

कुछ गलत तरीके

-इनके अतिरिक्त ऐसे लोगों को भी यूरिन आने की समस्या अधिक होती है जो शरीर की जरूरत से अधिक पानी पीते हैं या आमतौर पर खाना खाते समय या खाना खाने के तुरंत बाद अधिक पानी पीते हैं। क्योंकि ये दोनों ही स्थितियां पाचन क्रिया को बाधित करती हैं और मेटाबॉलिज़्म को स्लो करती हैं।

यूरिन इंफेक्शन भी होता है एक वजह

-फोर प्ले और यौन संबंध स्थापित करने के दौरान यूरिन आने की समस्या का एक कारण यूरिन इंफेक्शन भी होता है। इस बारे में पता लगाने के लिए आपको कुछ मेडिकल टेस्ट कराने की आवश्यकता होती है। साथ ही इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए आपको डॉक्टर की गाइडेंस में कुछ दवाएं लेनी होती हैं।

पुरानी आदत से नहीं है लेना-देना

-जिन लोगों में इस तरह की समस्या होती है, उन्हें लगता है कि मास्टरबेशन या पोर्न साइट्स के अधिक उपयोग के चलते उन्हें इस तरह की दिक्कत हो रही है। जबकि डॉक्टर गीतांजलि इस बात से पूरी तरह इनकार करती हैं। इनका कहना है कि अंतरंग संबंधों के दौरान यूरिन प्रेशर बनने की समस्या आमतौर पर स्ट्रेस, गलत तरीके से पानी पीना और यूरिन इंफेक्शन के कारण ही होती है। इसका मास्टरबेशन या अन्य गतिविधियों से कोई संबंध नहीं होता है।

इलाज से जुड़ी बातें

-जिन लोगों को भी इस तरह की समस्या होती है, उन्हें सबसे पहले यूरिन का रुटीन टेस्ट कराना चाहिए। यदि इस टेस्ट में पस सेल्स की मात्रा 4 से कम आए तो आप मेडिटेशन (तनाव कम करने के लिए) और सही इटिंग हैबिट्स (खाने और पानी के सही तरीके से सेवन) के जरिए इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

पस सेल्स 4 से अधिक होने पर

-यदि आपके यूरिन रुटीन टेस्ट में पस सेल्स की संख्या 4 से अधिक आती है तो आपको यूरिन कल्चर टेस्ट और सेंसेटिविटी टेस्ट करा लेना चाहिए। इसके बाद अपने डॉक्टर से सलाह करें और उनके सुझाव के अनुसार ही सही दवाओं का सही समय तक सेवन करें। आपकी समस्या दूर हो जाएगी।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : कॅरियर के लिए यह सप्ताह अच्छा बीतने वाला है। सही दिशा में मेहनत करने से कार्यक्षेत्र में पूर्ण सफलता मिलने के योग हैं। आपके आर्थिक मसले इस सप्ताह पूरी तरह हल हो जाएंगे। यदि पैसा आने में कहीं रूकावट आ रही थी तो वह भी दूर हो जाएगी। धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे।

वृषभ : व्यवसाय के लिए सप्ताह अच्छा बीतेगा। जो लोग नया कार्य प्रारंभ करने का विचार कर रहे हैं, उनके लिए सलाह है किजल्द से जल्द शुरू कर लें। इस सप्ताह आपके अच्छे व्यवहार के चलते आप पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में लोकप्रिय होंगे। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। पुराना निवेश लाभ देगा।

मिथुन : इस सप्ताह नौकरीपेशा लोग अपने कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल होंगे, लेकिन इसके लिए आपको अपनी टीम को साथ लेकर चलना होगा। पारिवारिक स्थिति में इस सप्ताह खुशनुमा माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति में बनी हुई कमजोरी कुछ हद तक दूर हो जाएगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : आर्थिक स्थिति में सुधार आने वाला है। कारोबारी लोग अपने काम को विस्तार देंगे। बिजनेस को बढ़ाने के लिए काफी समय से यदि आप मेहनत कर रहे हैं तो इस सप्ताह उस मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल जाएगा। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ के योग बन रहे हैं।

सिंह : नौकरीपेशा लोग इस सप्ताह कार्यस्थल पर किसी आरोप-प्रत्यारोप का शिकार हो सकते हैं। इससे आपके कॅरियर पर बुरा असर पड़ सकता है। मानसिक परेशानियां आएंगी, लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करना होगा। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिलना होगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या : व्यापारियों को बिजनेस में अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करना पड़ सकती हैं। साझेदारी में कोई काम शुरू करेंगे तो आपको लाभ की स्थिति बनेगी। इस सप्ताह अविवाहित लोगों के विवाह की बात बन सकती है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अच्छा है।

तुला : कॅरियर में उतार-चढ़ाव के बावजूद यह सप्ताह अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में जितनी अधिक मेहनत करेंगे, उतना लाभ मिलेगा। इस सप्ताह उच्चाधिकारियों के साथ आपकी काफी अच्छी बनने वाली है। किसी महत्वपूर्ण कार्य और निर्णय में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : यह सप्ताह मिला-जुला रहेगा। कुछ कार्य अच्छे होंगे तो कुछ अटक भी सकते हैं। बिजनेस में नए प्रयोग करने से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। अपने मित्रों के साथ संबंधों में खटास आ सकती है। परिवार में भाई-बंधुओं के साथ संबंध बिगड़ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा किआप विवादित स्थितियों से खुद को दूर रखने का प्रयास करें।

धनु : इस सप्ताह कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए वक्त बेहतर है। लेखन, साहित्य, आर्ट-कल्चर से जुड़े लोगों को कोई बड़ा प्रोजेक्ट, अनुबंध मिल सकता है। इस सप्ताह परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

मकर : फिल्म, मॉडलिंग, फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है। इस सप्ताह आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक प्रगति की राह पर आगे बढ़ेंगे। नई भूमि, भवन, वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें।

कुंभ : कार्यक्षेत्र में अधीनस्थों के साथ मिलकर आगे बढ़ना है। इस सप्ताह आपको व्यवहार संतुलित रखना है। सभी के साथ समान भाव से व्यवहार करेंगे तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। इस सप्ताह आपके प्रभाव क्षेत्र में भी वृद्धि होने वाली है। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। प्रॉपटी में निवेश लाभ का सौदा साबित होगा।

मीन : कॅरियर के लिए समय अच्छा चल रहा है। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य को सराहना मिलेगी। उच्चाधिकारियों से संबंध मधुर बनेंगे। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। कारोबारी लोग कार्य विस्तार करेंगे। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन के लिए वक्त अच्छा है। रिश्तों में आई पुरानी खटास दूर होगी।

पहला पागल खाली पेपर को बार-बार चूम रहा था।
दूसरा पागल: ये क्या है?
पहला: लव लेटर है।
दूसरा: मगर ये तो खाली है।
पहला: आज कल बोलचाल बंद है।

पत्नी: डॉक्टर ने मुझे एक महीना आराम के लिए स्विट्जरलैंड या पेरिस जाने को कहा है, हम कहां जाएंगे?
पति: दूसरे डॉक्टर के पास।

सोनू: यार, जब पूरी दुनिया क्रिकेट खेलती है तो चीन को क्या दिक्कत है, वह क्रिकेट क्यों नहीं खेलता?
मोनू: बाकी देश उसे खेलने से रोक देते हैं।
सोनू: ऐसा क्यों?
मोनू: उनकी टीम खेलती है तो अंपायर समझ ही नहीं पाते कि जिसे अभी आउट दिया था, वही तो दोबारा बैट लेकर नहीं आ गया।

हार्पिक डालकर जला दिया पति का गुप्तांग, परिवार को नशीली गोलियां देकर मनाईं रंगरलियां, पत्नी अरेस्ट

मेरठ, उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद में टीपी नगर थाना क्षेत्र एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां क्षेत्रवासियों ने एक महिला को अपने प्रेमी के साथ घर में रंगरलिया मनाते रंगे हाथ दबोच लिया। दूसरे कमरे में महिला का पति और तीन मासूम बच्चे बेहोशी की हालत में बरामद हुए। अस्पताल में होश आने पर पति ने आरोप लगाया कि पिछले काफी समय से उसकी पत्नी पूरे परिवार को नशीली गोलियां देकर अपने प्रेमी के साथ घर में रंगरलियां मनाती रही है। इतना ही नहीं पत्नी ने गुप्तांग पर हार्पिक डालकर अपने ही पति को 'बर्बाद' कर दिया है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, मलियाना निवासी शादाब के मुताबिक सरधना निवासी डॉक्टर वसीम उसका परिचित है। जिसके चलते डॉक्टर वसीम का अक्सर शादाब के घर पर आना जाना लगा रहता है। शादाब ने बताया कि वसीम जब भी घर पर आता तो अपने साथ कभी बिरियानी तो कभी मिठाई लेकर आता। जिसे खाने के बाद शादाब और उसकी तीनों बेटियां बेसुध होकर सो जाते थे। आरोप है कि इसके बाद डॉक्टर वसीम और शादाब की पत्नी चांदनी बेफिक्र होकर घर में रंगरलियां मनाते थे।

चोर समझकर क्षेत्रवासियों ने मचाया शोर

बताया जाता है शुक्रवार की शाम भी डॉक्टर वसीम खाने-पीने का कुछ सामान लेकर शादाब के घर पर गया था। जिसमें बेहोशी की दवाई मिली थी। इस खाने को खाने के बाद शादाब और उसकी तीनों बेटियां बेहोश हो गए। जिसके बाद देर रात डॉक्टर वसीम शादाब के घर में दाखिल हो रहा था। मगर इसी दौरान क्षेत्र के लोगों ने वसीम को शादाब के घर में दाखिल होते देख लिया और उसे चोर समझकर मामले की जानकारी पड़ोस में रहने वाले शादाब के कुछ रिश्तेदारों को दी। जिसके बाद सभी लोगों ने चोर का शोर मचाते हुए शादाब के घर पर धावा बोल दिया। आरोप है कि इस दौरान चांदनी ने अपने प्रेमी डॉक्टर वसीम को घर के टॉयलेट में बंद कर दिया। इसके बाद चाकू निकालकर लोगों को अपने हाथ की नस काटने की धमकी देने लगी। मगर क्षेत्रवासियों ने हिम्मत दिखाकर चांदनी को धर दबोचा। उधर, जैसे ही टॉयलेट का दरवाजा खोला गया तो महिला का प्रेमी घर से फरार हो गया।

कमरे में बेहोश मिले पति और तीनों बच्चे

पूरे परिवार की मौजूदगी में महिला द्वारा रंगरलिया मनाए जाने की बात हजम ना होने पर क्षेत्र के लोगों ने घर की तलाशी ली। जिसके बाद एक कमरे में शादाब और उसकी तीनों बेटियां बेहोश पड़े मिले। रिश्तेदार और क्षेत्रवासी आनन-फानन में सभी व्यक्तियों को लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां होश में आने पर मामला पता लगते ही शादाब ने अपनी पत्नी पर सनसनीखेज आरोप लगाए। शादाब ने बताया कि उसे पहले से ही शक था कि चांदनी उसे नशे की गोलियां देकर अपने प्रेमी से मिलती है। मगर चांदनी पूरे परिवार को बेहोश करके रंगरेलियां मनाती थी। जिससे उसकी असलियत सबसे छुपी रही।

पत्नी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

इतना ही नहीं उसकी पत्नी चांदनी पिछले कई महीनों से शादाब को बेहोश करने के बाद उसके गुप्तांग पर हार्पिक जैसी कोई चीज डाल रही थी। जिससे उसके गुप्तांग पर गहरे जख्म हो गए थे। शादाब इसे त्वचा रोग समझकर डॉक्टरों से उपचार कराता रहा। अब, पूरे मामले का खुलासा होने पर शादाब ने अपनी पत्नी चांदनी के खिलाफ तहरीर दी है। उधर, एसपी क्राइम रामअर्ज ने पूरे प्रकरण में जांच की बात कही है। वहीं, आरोपी महिला पुलिस की हिरासत में है।

चीन की लालच से बर्बादी की कगार पर इस देश का पर्यावरण, जंगल-जमीन और जानवरों पर बुरा असर

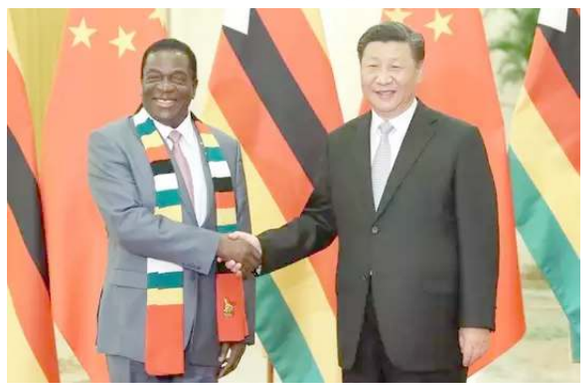

हरारे, चीन इन दिनों तेजी से अपने कर्ज और लालच के जाल में दुनिया के गरीब देशों को फंसा रहा है। ड्रैगन की इस डेट ट्रैप डिप्लोमेसी के चक्कर में कई देश बर्बाद होने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अभी तक चीन की नजर खास तौर पर एशियाई देशों पर ही सीमित थी, लेकिन अब अफ्रीका का एक देश चीन के लालच के चक्कर में बर्बादी की कगार पर खड़ा है। इस देश में चीन के कारण न सिर्फ जमीन बल्कि जानवर और जंगल भी खतरे का सामना कर रहे हैं।

जिंबाब्वे पर कैसे पड़ी चीन की नजर

जिंबाब्वे अफ्रीका महाद्वीप के मध्य में स्थित है जहां दुनिया के सबसे बेहतरीन किस्म का कोयला पाया जाता है। इसके बावजूद जिंबाब्वे की बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर बसर करती है। चीन ने अपनी ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने और अफ्रीका में अपनी पैठ को मजबूत बनाने के लिए जिंबाब्वे के साथ द्विपक्षीय संबंध विकसित किए। जिंबाब्वे को भी विदेशी निवेश और फंड की जरूरत थी। पैसों के बदले इस देश ने अपनी कई कोयला की खानों को चीन को सौंप दिया।

चीन ने जिंबाब्वे के प्राकृतिक संसाधनों का किया दोहन

चीन की सरकारी कोयला कंपनियां जेनक्सिन कोल माइनिंग ग्रुप और एफ्रोक्लाइन स्मेल्टिंग ने जिंबाब्वे के प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया है। जिसके कारण वहां, जंगल, जानवर और जमीन को भारी नुकसान पहुंचा है। इस देश के कई पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने चीनी कंपनियों के खिलाफ कई आंदोलन चलाए, लेकिन सरकार ने उन आंदोलनों को कुचल कर रख दिया।

जिंबाब्वे के नेशनल पार्ट में कोयला खोदेगा चीन

अब ये कंपनियां जिंबाब्वे के ह्वांगे नेशनल पार्क में कोयला की खुदाई करने की योजना बना रही हैं। यह पार्क जैव विविधता और जंगली जानवरों के आवास के कारण दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इस जंगल में लगभग 40 हजार अफ्रीकी हाथी रहते हैं। इसके अलावा यहां दुनिया में लुप्तप्राय हो चुके काले राइनो भी पाए जाते हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अगर जिंबाब्वे की सरकार इस इलाके में खनन की अनुमति देती है तो इससे न सिर्फ जिंबाब्वे बल्कि अफ्रीका के पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचेगा।

पर्यावरण को पहुंचेगा भारी नुकसान 3 सितंबर को ह्वांगे नेशनल पार्क में खनन की खबर ने दुनियाभर में तहलका मचा दिया। जिसके बाद आनन फानन में जिंबाब्वे की सरकार ने इस प्रोजक्ट पर प्रतिबंध का ऐलान कर दिया। सरकार ने यह भी कहा कि देश के सभी राष्ट्रीय उद्यानों में खनन गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाएगा। इस खबर से सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जगत को ऊपरी तौर पर खुश कर दिया।

जिंबाब्वे की सरकार ने अपने ही लोगों से खेला गेम

लेकिन जमीन पर जिंबाब्वे की सरकार ने अलग ही गेम खेला है। इस मंगलवार को हरारे की हाईकोर्ट ने इन दोनों चीनी कंपनियों के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया। जिसका अर्थ है कि इन कंपनियों के खनन के अधिकार पहले की तरह बने हुए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार ने क्या झूठा ऐलान किया था? सरकार ने ऐलान के हफ्ते भर बाद भी इस संबंध में कोई संसदीय या विधायी कागजात को पेश नहीं किया गया है।

लव मैरिज के बाद मांगने लगा दहेज, करा दिया अबॉर्शन... महिला ने एसपी से लगाई इंसाफ की गुहार

उनाव, उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक प्रेमी युगल ने घर से भागकर आर्य समाज मंदिर में शादी की। कुछ दिनों बाद ही पति ने पत्नी बनी प्रेमिका को दहेज की मांग करते हुए घर से बाहर निकाल दिया। यही नहीं इसके पूर्व उसका अबॉर्शन भी करा दिया।

इस संबंध में पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। थाना पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने पर पीड़िता ने एसपी से न्याय की मांग की। एसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए पति सहित 8 लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया।

बिहार थाना क्षेत्र के पाटन गांव का मामला

मामला उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के पाटन गांव का है। विवाहिता ने थाना में तहरीर देकर बताया कि पाटन गांव निवासी जमुना सिंह उसको भगा कर कानपुर ले गया। जहां उसने विगत 3 जनवरी आर्य समाज मंदिर में शादी की। इसके बाद कानपुर में ही रहने लगे। जमुना सिंह लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। इसी बीच उसने उसका गर्भपात भी करा दिया और मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। महिला ने बताया कि जमुना सिंह कहता है दहेज लेकर आओ तब रखेंगे। पुलिस से शिकायत करने पर उसने धमकी दी है कि तुम्हारे पूरे घर को बर्बाद कर देंगे। लेकिन थाना पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीड़िता ने बताया दर्द

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची पीड़िता ने बताया कि आरोपी बहन और परिवार को लेकर गंदी-गंदी बातें करते हैं। जमुना सिंह और उसका परिवार लगातार उन्हें धमकी दे रहा है और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी कई बार ऐप्लीकेशन दे चुकी है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बिहार थाना पुलिस ने पति जमुना सिंह, ससुर प्रताप सिंह, सास, जेठ, जेठानी, देवर, दो नंद के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। बिहार थाना पुलिस ने बताया जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की वर्दी पहनकर रौब गांठता था, पकड़ा गया तो बरामद हुई चूरन वाले नोटों की गड्डी

कानपुर, पुलिस की वर्दी पहनकर रौब गांठने वाले एक शख्स को अरेस्ट कर लिया गया है। वर्दी पहनकर युवक वाहन चेकिंग कर रहा था और आने-जाने वाले ग्रामीणों पर रौब गांठ रहा था। स्थानीय लोगों को युवक पर शक हुआ तो उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब युवक से पूछताछ की तो उसकी पोल खुल गई। ककवन थाना क्षेत्र स्थित सकरवां गांव के पास एक युवक शिव गुप्ता गत शुक्रवार रात वाहन चेकिंग कर रहा था। ग्रामीणों पर रौब गांठते हुए वाहन चेकिंग कर वसूली कर रहा था। पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके पास से दो अलग-अलग नाम के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। इसके साथ ही 500 और 2 हजार के नकली चूरन वाले नोट और दो पुलिस की वर्दी बरामद हुई है। पुलिस फर्जी पुलिसकर्मी से पूछताछ कर रही है। पुलिस की वर्दी पहनने का था शौक पकड़े गए फर्जी पुलिसकर्मी ने बताया कि मुझे बचपन से पुलिस की वर्दी पहनने का शौक रहा है। मैंने पुलिस की कई भर्तियां भी देखीं, लेकिन मेरा सिलेक्शन नहीं हो सका। मैंने वर्दी पहन कर ग्रामीण क्षेत्रों में घूमना शुरू कर दिया जिससे मेरा पॉकेट खर्च भी निकलने लगा। लेकिन इस बात की उम्मीद नहीं थी कि मैं एक दिन पकड़ा भी जाऊंगा। रौब गांठने के लिए चूरन वाले नोटों की गड्डी लेकर चलता था युवक ने बताया कि चूरन वाले नोटों की गड्डी वह इसलिए लेकर चलता था कि सामने वाले शख्स पर दबाव बनाया जा सके। इसके अलावा मेरा और कोई गलत मकसद नहीं था। युवक के बारे में कर रहे छानबीनः एसपी ग्रामीण एसपी ग्रामीण बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक, यह युवक कानपुर के संचेडी का रहने वाला है। इसके द्वारा बताए गए स्थान से वेरीफिकेशन कराया जा रहा है। हो सकता है कि यह झूठ बोल रहा हो। जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चीन के कोरोना वायरस वैक्सीन सुरक्षित नहीं, आपात इस्तेमाल के दौरान बीमार पड़े लोग

पेइचिंग, चीन के कोरोना वायरस वैक्सीन की सुरक्षा और असर को लेकर अभी से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। कुछ दिनों पहले चीन ने अपनी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इस दौरान कई लोगों ने सिरदर्द, चक्कर आना और उल्टी जैसी शिकायतें दर्ज करवाई हैं। वहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस वैक्सीन को लेकर यूएन के मंच से भी बड़ा ऐलान कर आए हैं। चीन के सदाबहार दोस्त पाकिस्तान में भी इस वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल जारी है।

चीन के प्रसिद्ध लेखक ने बताया अनुभव

चीन के जानेमाने लेखक एवं स्तंभकार कान चाई को देश में आपातकालीन उपयोग के लिए स्वीकृत कोविड-19 के टीके की पहली खुराक पर तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन दूसरी डोज के बाद उन्हें चक्कर आने लगे। चाई ने इस महीने की शुरुआत में एक वेबिनार में कहा कि जब मैं गाड़ी चला रहा था तो अचानक मुझे चक्कर आने लगे। ऐसा लगा कि मैं नशे में गाड़ी चला रहा हूं। मैंने एक जगह देख कर कार रोकी, थोड़ा आराम किया और तब मुझे बेहतर लगा।

हजारों लोगों ने दर्ज करवाई शिकायत

चीन में चाई की तरह ही हजारों लोगों को आम इस्तेमाल के लिए अंतिम नियामक स्वीकृति मिलने से पहले चीनी वैक्सीन की डोज दी गई है। इस कदम को लेकर आचार संहिता और सुरक्षा संबंधी सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले चीनी कंपनियां ह्यूमन ट्रायल से पहले अपने शीर्ष पदाधिकारियों और रिसर्चर्स को जांच के लिए वैक्सीन की खुराक देने पर सुर्खियों में आई थीं।

वैक्सीन की दोबारा जांच कर सकता है चीन

चीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि चीन को महामारी को वापस आने से रोकने के लिए कदम उठाने होंगे। एक बाहरी विशेषज्ञ ने ऐसे समय में वैक्सीन के आपात उपयोग की जरूरत पर सवाल खड़ा किया है जब देश में वायरस का संक्रमण अब नहीं फैल रहा है। माना जा रहा है कि चीन फिर से अपनी वैक्सीन की सुरक्षा संबंधी जांच को शुरू करेगा। चीन की कौन सी वैक्सीन खतरनाक, खुलासा नहीं

चीन में इस समय कोरोना वायरस की तीन वैक्सीन ह्यूमन ट्रायल के अलग-अलग स्टेज में हैं। चीन की सरकारी कंपनी ने कोरोना वायरस के इनऐक्टिवेटेड पार्टिकल्स का इस्तेमाल करके दो-दो वैक्सीन बनाई हैं। पार्टिकल्स को इनऐक्टिवेट इसलिए किया जाता है ताकि वह बीमारी न फैलसा सकें। जून में कंपनी ने कहा था कि फेज 1 और 2 ट्रायल में वैक्सीन सारे वॉलंटियर्स में ऐंटीबॉडीज तैयार करने में सफल रही। वहीं चीन की चीनी कंपनी ने भी एक कोरोना वायरस वैक्सीन को विकसित किया है।

मेघालयः 5 दिन की भीषण बारिश ने तोड़ा 60 साल का रेकॉर्ड, 13 की मौत, अभी और तबाही की आशंका

शिलॉन्ग, मेघालय यूं तो बारिश के लिए ही मशहूर है, मगर इस हफ्ते ऐसी बारिश हुई है जिसने राज्य में पिछले 60 सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। 21 सितंबर से लगातार हो रही भीषण बारिश के अभी सोमवार तक जारी रहने की आशंका जताई गई है। बारिश और इसके चलते जगह-जगह हुई भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 5 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य के तीन जिलों (ईस्ट खासी हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स और रिभोई) के 37 गांव भीषण बारिश और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। शुक्रवार को पूर्व खासी हिल्स जिले के मावनेई में भूस्खलन की चपेट में कई मकानों के आने से दो महिला क्रिकेटरों की मौत हो गई और तीन लोग लापता हो गए हैं। मावनेई के सरपंच बाह बुद ने बताया, 'राज्य की तरफ से राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकीं क्रिकेटर रजिया अहमद और स्थानीय खिलाड़ी फिरोजिया खान के शव मलबे से निकाले गए हैं।' पूर्व खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक सिल्वेस्टर नोंगटिंगर ने कहा कि लापता लोगों की तलाश का काम चल रहा है।

1960 में हुई थी ऐसी भीषण बारिश, अभी सोमवार तक जारी रहेगा कहर

बता दें कि मेघालय में 21 सितंबर की रात से भारी बारिश हो रही है। बीते 5 दिनों से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। 25 सितंबर को राज्य में 244.7 एमएम बारिश दर्ज की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य ने इतनी भीषण बारिश का सामना इससे पहले 1960 में किया था। वेदर फोरकास्टिंग वेबसाइट 'द वेदर चैनल' के मुताबिक, शनिवार से सोमवार तक भारी बारिश की आशंका है।

मुख्यमंत्री ने किया प्रभावित इलाकों का दौरा

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने शुक्रवार को बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। राज्य में भारी बारिश और भूस्खलन से कई प्रमुख सड़कों और पुलों को नुकसान हुआ है। संगमा ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया, 'लगातार हो रही बारिश से राज्य की कई सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। कई लोगों की जान भी गई है। हम अपनी ओर से नुकसान को कम करने की पूरी कोशिश करेंगे।'

बारिश के साथ भूस्खलन ने बढ़ाईं मुश्किलें

बारिश के अलावा राज्य में कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं जिसके चलते सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों को मलबा हटाने के काम में लगाया गया है। वेस्ट गारो हिल्स के डीसी राम सिंह ने कहा कि एनएच-62 को बंद कर दिया जाएगा और पीडब्ल्यूडी साउथ गारो हिल्स में बाघमारा शहर से संपर्क को बनाए रखने के लिए विकल्पों की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम बाघमारा को नेंगखरा-सिजू-कारूकोल से, चोकपोट-सिजू से और रामचंगा/दुमनीकुरा से डालू तक जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। साउथ गारो हिल्स के डीसी एचबी मारक ने कहा कि पुल को दोबारा तैयार करने में समय लगेगा क्योंकि पूरा हिस्सा पानी में बह गया है।

घाटी में साल की शुरुआत में थे 300 आतंकी, अब रह गए 170-200

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में इस साल पुलिस और सेना मिलकर लगातार एनकाउंटर में आतंकियों का सफाया कर रही है। दहशतगर्दों के खिलाफ ऑपरेशन में मिल रही सफलता के बाद अब घाटी में आतंकियों की गिनती कम होती जा रही है। अब कश्मीर में 170 से 200 के बीच ही आतंकी बचे हैं। इनमें से 40 पाकिस्तान के हैं। सबसे अधिक हिजबुल और लश्कर के आतंकी हैं। जैश के आतंकियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है क्योंकि सीमा पार से घुसपैठ नहीं हो पा रही है। ऐसे में सीमा पार ट्रेनिंग लेकर बैठे हुए जैश के आतंकी इस तरफ नहीं आ पा रहे। जानकारी के अनुसार, कश्मीर में सभी सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से मिलकर ऑपरेशन ऑलआउट शुरू किया गया है। इसमें सभी दस जिलों में पुलिस के साथ सेना और सीआरपीएफ मिलकर काम कर रही हैं। सुरक्षाबलों को स्थानीय लोगों का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इससे आतंकियों की जानकारी बाहर आ जाती है। इसके अलावा युवाओं को आतंकवाद के रास्ते पर जाने से रोका जा रहा है। इसमें पुलिस आतंकियों के परिजनों के अलावा दोस्तों की मदद भी ले रही है। इस कारण भी युवा आतंकवाद की तरफ नहीं जा रहे हैं। इस वजह से आतंक की 'पाठशाला' में भर्ती भी कम हो रही है। इस साल मारे गए 160 आतंकी पुलिस के सूत्रों ने बताया कि इस समय सबसे अधिक आतंकी लश्कर और हिजबुल के पास हैं। इन दोनों संगठनों को मिलाकर गिनती 100 से ऊपर है। बाकी बची गिनती में जैश, अल बदर, अंसार गजवत उल्ल हिंद शामिल हैं। इस साल अभी तक करीब 160 आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया है। इस साल की शुरुआत में घाटी में तीन सौ तीस आतंकी थे जो अब घटकर 170 रह गई है।

दिल्ली में अस्थायी पदों को पर्मानेंट करने की सोच रही है केजरीवाल सरकार, विभागों से मांगे गए डीटेल

नई दिल्ली, एक तरफ जहां यूपी में नई सरकारी नौकरियों में पहले 5 साल तक संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी की चर्चाएं पूरी तरह थमी नहीं हैं, दूसरी तरफ दिल्ली की अरविंद केजरीवाल अस्थायी पदों को पर्मानेंट करने पर विचार कर रही है। हालांकि, यूपी सरकार ने राज्य की सरकारी नौकरियों में शुरुआती 5 सालों तक संविदा की व्यवस्था करने को दो टूक खारिज किया है। दिल्ली सरकार ने अपने सभी विभागों से उनके यहां अस्थायी पदों के बारे में डीटेल में जानकारी मांगी है। किस तरह के काम हैं, उन्हें देखते हुए इन पदों को पर्मानेंट में बदला जा सकता है। वित्त विभाग ने प्रिंसिपल सेक्रटरीज और सेक्रटरीज को सर्कुलर जारी कर उनसे इस बारे में अपने-अपने विभागों से प्रस्ताव पेश करने को कहा है। दिल्ली सरकार ने अपने विभागों से जो विवरण मांगे हैं उनमें नामावली, अस्थायी पदों की संख्या, किस उद्देश्य से उन्हें सृजित किया गया था और कितने पदों को पर्मानेंट किया जा सकता है जैसी जानकारियां शामिल हैं। वित्त विभाग में जॉइंट सेक्रटरी (अकाउंट्स) एल. डी. जोशी की तरफ से जारी सर्कुलर के मुताबिक, जो अस्थायी पद कम से कम 3 सालों से हैं, उन्हें पर्मानेंट करने पर विचार किया जाएगा। सर्कुल में कहा गया है, 'सभी विभागों से गुजारिश है कि वे वित्त विभाग में इस आशय का प्रस्ताव पेश करें कि अस्थायी पदों को बनाने के लिए क्या सक्षम अथॉरिटीज से मंजूरियां ली गई थीं और उसके बाद क्या उन्हें बहाल रखने/विस्तारित हैं, उनकी ऑरिजिनल फाइलों और '

सभी विभागों से प्रस्तावों को वित्त विभाग में पेश करने की गुजारिश की जाती है। इसमें 2019-20 तक अस्थायी पदों को जारी रखने या विस्तारित करने के बारे में पदों के सृजन के लिए सक्षम अथॉरिटी की मंजूरी और बाद में इसे लेकर वित्त विभाग की मंजूरी का ब्योरा ऑरिजिनल फाइलों के साथ दिया जाए।' दिल्ली सरकार के सर्विस डिपार्टमेंट ने भी अनुबंध पर काम करने वाले कमर्चारियों के सेवा विस्तार के बारे में विभाग प्रमुखों को पत्र लिखा है। विभाग ने एक पत्र में कहा है कि एलजी अनिल बैजल ने निर्देश दिया है कि अनुबंध पर सेवा के विस्तार के पहले, विभागों को यह भी सूचना देनी चाहिए कि क्या नियमित आधार पद पदों को भरने के लिए प्रयास किए गए थे।

SPORTS खेल जगत

गौतम गंभीर ने बताया कौन है आईपीएल 2020 का बेस्ट बल्लेबाज

बीते 24 सितंबर को दुबई में खेले गए आईपीएल 2020 के एक मुकाबले में किंग्स इलेवन पंजाब ने विराट कोहली की अगुवाई में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने वाली किंग्स इलेवन की टीम तीन विकेट पर 206 रन का विशाल स्कोर बनाने में सफल रही। इसमें कप्तान लोकेश राहुल ने 69 गेंदों पर नाबाद 132 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर भी है। राहुल ने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए।

पंजाब के 206 रनों के जवाब में आरसीबी का शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया जिससे वह उबर नहीं पाया और उसकी टीम 17 ओवर में 109 रन पर ढेर हो गई। इस तरह बैंगलोर को 97 रनों की हार झेलनी पड़ी। कोच अनिल कुंबले से गुर सीख रहे किंग्स इलेवन के दोनों लेग स्पिनरों मुरूगन अश्विन (21 रन देकर तीन) और रवि बिश्नोई (32 रन देकर तीन) ने प्रभावित किया, जबकि शेल्डन कोटरेल (17 रन देकर दो) ने शीर्ष क्रम झकझोर दिया।

राहुल के बल्ले से निकले नाबाद 132 रन किसी भी भारतीय द्वारा आईपीएल टूर्नामेंट के किसी एक मैच में बनाया गया अब तक का सर्वाधिक निजी स्कोर है। इसके साथ ही किसी आईपीएल टीम के कप्तान के रूप में भी यह इस लीग का सर्वोच्च स्कोर है। मयंक अग्रवाल, ग्लेन मैक्सवेल और निकोलस पूरन के नहीं चलने के बावजूद अपनी पूरी पारी में राहुल ने जबरदस्त बल्लेबाजी दिखाते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाए। इतना ही नहीं, उन्होंने जब और जहां मौका मिला बैटिंग करने का अपना अंदाज भी बखूबी बदला। उमेश यादव और डेल स्टेन की गेंदबाजी पर उनका हमला इसी को दिखाता है।

वेस्टइंडीज के पूर्व गेंदबाज इयान बिशप ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के टी20 टाइमआउट शो में लोकेश राहुल की इस पारी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'राहुल ने जिस तरह से अपनी पूरी पारी में संतुलन को दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ है। उनके पहले 50 रनों तक मैं वहीं बैठा था। उसने जिस तरह से शुरुआत की और पारी को अंत तक लेकर गए वह बेहद सुंदर था। मेरे ख्याल से यह उसे कंप्लीट बल्लेबाज बनाता है।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी बिशप की इस बात पर अपनी सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'मैं इयान बिशप की इस बात से सहमत हूं कि अभी के समय में राहुल आईपीएल का बेस्ट खिलाड़ी है।'

रोहित शर्मा और सुरेश रैना के साथ खास लिस्ट में शामिल होने से एमएस धोनी 2 छक्के दूर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सातवें मैच में आज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होना है। इस मैच में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पास टी20 क्रिकेट में रोहित शर्मा और सुरेश रैना के साथ एक एलीट लिस्ट में शामिल होने का मौका होगा।

धोनी अगर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो छक्के लगाते हैं, तो टी20 क्रिकेट में उनके खाते में 300 छक्के दर्ज हो जाएंगे। भारत की ओर से वो ऐसा करने वाले महज तीसरे बल्लेबाज होंगे।

रोहित शर्मा और सुरेश रैना पहले ऐसा कर चुके हैं।

रोहित शर्मा ने धोनी नहीं, रिकी पॉन्टिंग से सीखी कप्तानी की कला

नई दिल्ली, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज रिकी पॉन्टिंग से सीखा कि कैसे टीम में सभी खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण महसूस कराया जाता है, जिसने मुंबई इंडियन्स के साथ उनकी सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। रोहित ने आईपीएल का सबसे ज्यादा चार खिताब अपने नाम किये हैं जो चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से एक अधिक है।

उन्होंने इंडिया टुडे के कार्यक्रम 'इंस्पिरेसन सीजन 2' में टीम की सफलता और अपनी कप्तानी के तरीके बारे में खुल कर बात की। रोहित ने कहा, 'मैं यह जानने की कोशिश करता हू कि सभी खिलाड़ियों से छोटे से छोटा योगदान कैसे ले सकता हूं। और हां, मेरा प्रदर्शन भी महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मेरे साथ जो 10 लोग खेल रहे हैं और बाकी के जो बेंच पर बैठे है, मैं उन सब से बात करूं। मैंने रिकी पॉन्टिंग से सीखा है कि उन्हें भी महत्वपूर्ण महसूस कराना चाहिए।' पॉन्टिंग इससे पहले मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी और कोच रह चुके है। रोहित ने कहा, 'पॉन्टिंग ने मुझे कहा था कि जब आप कप्तानी करते है तो आप सिर्फ यह नहीं सोच सकते कि आप उनसे कैसे काम लेंगे। आपको हमेशा उनकी बातों को सुनना होगा। वह (पॉन्टिंग) जब मुंबई इंडियन्स का हिस्सा थे तो मैं उनसे काफी कुछ सीखा था।'

रोहित से जब पूछे गया कि युवाओं से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने के लिए वह क्या करते है तो उन्होंने कहा, 'वे खिलाड़ी जब दबाव में नहीं होंगे तो वे अच्छे करेंगे। इसे लेकर टीम में उनके बारे में ज्यादा बातचीत नहीं होनी चाहिए।। उन्हें ये सारी बातें पता चल जाती हैं।'

संजू सैमसन को लेकर शेन वॉर्न का बड़ा बयान, बताया किस बात से हैं हैरान

महान स्पिनर शेन वॉर्न ने शनिवार को कहा कि उन्हें हैरानी है कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन भारत के लिए सभी प्रारूपों में नहीं खेलता है। सैमसन ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 32 गेंद में 74 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को 16 रन से जीत दिलाई। वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स के इंस्टाग्राम लाइव सत्र में कहा, ''संजू सैमसन कमाल का खिलाड़ी है। मैं लंबे समय से कह रहा हूं और मेरा मानना है कि मैने काफी समय बाद ऐसा खिलाड़ी देखा है । मैं हैरान हूं कि वह भारत के लिये सभी प्रारूपों में नहीं खेलता है।' उन्होंने कहा, ''वह अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास सारे शॉट्स और क्लास है।' वॉर्न ने कहा, ''मुझे यकीन है कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करके रॉयल्स को आईपीएल जीतने में मदद करेगा। मुझे उम्मीद है कि भारत के लिये मैं उसे तीनों प्रारूपों में खेलते देखूंगा।'

गौरतलब है कि युवा ओपनर पृथ्वी शॉ (64) के शानदार अर्धशतक तथा गेंदबाजों के सटीक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को शुक्रवार को 44 रन से हराकर आईपीएल-13 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जबकि चेन्नई को तीन मैचों में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली ने पृथ्वी के 43 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से बनाए गए 64 रन तथा शिखर धवन (35), विकेटकीपर रिषभ पंत (नाबाद 37) और कप्तान श्रेयस अय्यर (26) के महत्वपूर्ण योगदान से 20 ओवर में तीन विकेट पर 175 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। चेन्नई की बल्लेबाजी लगातार दूसरे मैच में बड़े स्कोर के दबाव बिखर गई और 20 ओवर में सात विकेट पर 131 रन तक ही पहुंच सकी। कैगिसो रबाडा ने दिल्ली की तरफ से 26 रन पर तीन विकेट लिए, जबकि एनरिच नोर्त्जे ने 21 रन पर दो विकेट लिए।

देश परदेश

ब्रिटेन में कोविड-19 लॉकडाउन के विरोध में हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उद्देश्य से लगाई गई पाबंदियों के विरोध में शनिवार को हजारों लोग 'हम राजी नहीं' रैली में शामिल होने के लिए ट्रैफलगर स्क्वेयर पर एकत्रित हुए। ये लोग 'छह का नियम' का भी विरोध कर रहे थे जिसके तहत पांच से अधिक लोगों के एक साथ एकत्रित होने पर पाबंदी है। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने पहले ही वक्तव्य जारी करके कह दिया था कि इस तरह लोगों का जुटना वायरस फैलने से रोकने के लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन होगा।

शनिवार को पुलिस की कार्रवाई की अगुवाई कर रहे कमांडर एड एडलेकन ने कहा, ''अधिकारी लोगों को नियमों के बारे में समझाएंगे, उनसे बात करेंगे और नियमों का पालन करने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे। हालांकि यदि लोग पालन नहीं करते हैं और स्वयं को तथा दूसरों को खतरे में डालना जारी रखते हैं तो अधिकारियों को कार्रवाई करनी होगी।''

पिछले सप्ताह लॉकडाउन के विरोध में निकाला गया इसी तरह का प्रदर्शन हिंसक हो गया था जिसके बाद 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। लंदन के मेयर सादिक खान ने ब्रिटेन की राजधानी में सख्त पाबंदियां लगाने की मांग की थी, उसी के विरोध में शनिवार की यह रैली हुई।

ब्रिटेन के कई हिस्सों में पहले से सख्त लॉकडाउन है।

इधर, अमेरिका की दवा कंपनी नोवावैक्स ने कोविड-19 के अपने संभावित टीके का ब्रिटेन में बीमारी के आखिरी चरण के स्तर पर किये जाने वाले अहम परीक्षण को शुरू किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी है। किसी भी टीके का आखिरी स्तर पर परीक्षण उसके विपणन से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये बड़े स्तर पर किया जाता है। कंपनी का कहना है कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस का जो मौजूदा उच्चस्तर है उसमें परीक्षण के परिणाम त्वरित रूप से मिल सकते हैं। कंपनी ने कहा कि इस परीक्षण में वह 18 साल से 84 साल की उम्र के 10 हजार लोगों पर टीके के प्रभाव का अध्ययन करेगी। कंपनी ने कहा कि इनमें से कम से कम 25 प्रतिशत लोग 65 साल से अधिक उम्र के होंगे। कंपनी ने बताया कि यह परीक्षण ब्रिटेन के वैक्सीन टास्कफोर्स की भागीदारी में किया जा रहा है। ब्रिटेन की सरकार ने कोविड-19 के टीके के विकास के काम को तेजी प्रदान करने के लिये इस साल अप्रैल में वैक्सीन टास्कफोर्स का गठन किया था। नोवावैक्स के शोध एवं विकास प्रमुख डॉक्टर ग्रेगरी एम ग्लेन ने कहा, ''ब्रिटेन में सार्स सीओवी2 के संक्रमण के उच्च स्तर तथा इसके जारी रहने को देखते हुए हम इस बारे में आशावान हैं कि यह महत्वपूर्ण तीसरे चरण का परीक्षण शीघ्र होगा और टीके के प्रभाव को लेकर निकट भविष्य का दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

यह घोषणा ऐसे समय की गयी है, जब ब्रिटेन में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी है। सरकार ने गुरुवार को संक्रमण के 6,634 नये मामले मिलने की सूचना दी। यह महामारी की शुरुआत के बाद किसी भी एकदिन की सर्वाधिक संख्या है। ब्रिटेन इस महामारी से यूरोप में सबसे अधिक प्रभावित है और अब तक इसके कारण देश में करीब 42 हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि कई दवा कंपनियां सरकारों के सहयोग से टीके के विकास पर तेजी से काम कर रही हैं। ब्रिटेन पहले ही नोवावैक्स से टीके के छह करोड़ खुराक खरीदने का समझौता कर चुका है। ब्रिटेन की सरकार ने शुक्रवार को कहा कि नोवावैक्स के टीके के इस दौर के परीक्षण के लिये लोगों का चयन उन ढाई लाख लोगों के बीच से किया जायेगा, जिन्होंने नेशनल हेल्थ सर्विस की वैक्सीन रजिस्ट्री के जरिये खुद को टीके के परीक्षण के लिये उपलब्ध कराया है।

शार्ली हेब्दो के पुराने कार्यालय के पास हमला मामले में सात लोग हिरासत में

व्यंग्य पत्रिका शार्ली हेब्दो के पेरिस में पुराने कार्यालय के बाहर चाकू से हमला करने के मामले में संदिग्ध हमलावर समेत सात लोगों को शनिवार को हिरासत में लिया गया। आतंकरोधी एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं । अधिकारियों ने इसे इस्लामी अतिवादी हमला बताते हुए 'शार्ली हेब्दो पर 2015 में अलकायदा के हमले से जोड़ा है। वर्ष 2015 में आतंकी हमले में 12 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। धार्मिक और अन्य चर्चित शख्सियतों पर व्यंग्य करने वाली पत्रिका ने हाल में पैगंबर मोहम्मद पर कार्टून प्रकाशित किए थे। कार्टून को लेकर मुस्लिम समुदाय के कई लोगों ने रोष प्रकट किया था। गृह मंत्री गेराल्ड ड़ामानिन ने बताया कि शुक्रवार को चाकू मारने के लिए गिरफ्तार किए गए संदिग्ध को एक महीना पहले पेचकस के साथ पकड़ा गया था। हालांकि वह पुलिस की निगरानी में नहीं था। उन्होंने कहा कि पेचकस को हथियार नहीं माना जाता है लेकिन इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया।

मंत्री ने कहा कि संदिग्ध तीन साल पहले जब संभवतः पाकिस्तान से फ्रांस आया था, उस समय वह नाबालिग था लेकिन उसकी पहचान की पुष्टि की जा रही है। न्यायिक अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार के हमले के बाद सात लोगों को हिरासत में लिया गया लेकिन किसी को भी छोड़ा नहीं गया है।

शार्ली हेब्दो के पेरिस में पुराने कार्यालय के बाहर शुक्रवार के हमले में दो लोग घायल हो गए। इनमें से एक व्यक्ति वृत्त चित्र निर्माण कंपनी में काम करता है। गृह मंत्री ने माना कि जिस जगह हमला हुआ, वहां पर सुरक्षा व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं थी। उन्होंने सभी महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया है।

चीन को दोस्त पाकिस्तान भी देगा झटका, टिकटॉक को बैन करना चाहते हैं इमरान खान, यह है वजह

भारत और अमेरिका के बाद पाकिस्तान भी चीन को झटका देने जा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी टिकटॉक को बैन करना चाहते हैं।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री शिबली फराज ने द न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में यह दावा किया है। हालांकि, इमरान खान की चिंता डेटा सिक्यॉरिटी नहीं, बल्कि देश में फैल रही अश्लीलता है और इसकी वजह से वह टिकटॉक सहित इस तरह के अन्य ऐप को भी बैन करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, कुछ जानकारों का यह भी कहना है कि इमरान खान के लिए चाइनीज ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई करना आसान नहीं होगा।

द न्यूज से बात करते हुए शिबली फराज ने कहा, ''पीएम इमरान खान समाज में बढ़ती नग्नता-अश्लीलता को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने कहा है कि इससे पहले कि यह सामाजिक धार्मिक मूल्यों को खत्म कर दे, इसे रोकना जरूरी है।'' सूचना मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके साथ इस मुद्दे पर एक या दो बार नहीं बल्कि 15-16 बार चर्चा की है। वह समाज में मुख्यधारा के आउटलेट्स, सोशल मीडिया और ऐप्स के जरिए फैल रही अश्लीलता को रोकने के लिए व्यापक रणनीति चाहते हैं।

हाल ही में एक गैंग रेप केस को लेकर इमरान खान ने कहा था, ''दुनिया का इतिहास आपको बताता है कि समाज में जब अश्लीलता बढ़ती है तो दो चीजें होती हैं- महिलाओं को खिलाफ अपराध में वृद्धि होती है और परिवार टूटते हैं।'' शिबली फराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें हाल ही में कहा कि टिकटॉक जैसे ऐप्स समाज के मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इसलिए इन्हें बैन कर देना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम इमरान खान ने पाकिस्तान टेलिकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) को आदेश दिया है कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऐप्स को अश्लीलता से मुक्त किया जाए। पीटीए ने हाल ही में पांच डेटिंग ऐप्स को बान किया था जिन पर नग्नता और समलैंगिकता फैलाने का आरोप था।

भारत और अमेरिका में बैन से बौखलाया चीन

सीमा विवाद के बीच हाल ही में भारत ने टिकटॉक सहित 100 से अधिक चाइनीज ऐप्क को बैन कर दिया, जिससे चीन बैखला गया। भारत ने डेटा सुरक्षा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए इन ऐप्स को खतरनाक बताया था। इसके बाद अमेरिका ने भी टिकटॉक को बैन कर दिया है।

एक पंडित की मदद करने पहुँचे एजाज खान

हमेशा विवादों में रहने वाले एक्टर एजाज़ खान ने फिर एक बार चर्चा में हैं। इस बार एजाज खान ने मीडिया पर तंच मारा। Jip Zop एप के प्रोमो शूटिंग के दरम्यान एजाज ने मीडिया कर्मी से बात करते हुए सुशांत और दीपिका पादुकोण पर भी टिप्पणी की हैं।

भारत सरकार द्वारा TikTok सहित 59 चीनी ऐप्स बैन कर दी है. जिससे भारत के युवाओं पर काफी असर पड़ा है। लाखों युवाओं ने Tik Tok से ही अपना एक मुकाम और पहचान बनाया है, लेकिन एप बंद होने से उन युवाओं के ज़िंदगी पर अंधेरा छा गया था। अब उन युवाओं को फिर से Tik Tok जैसा ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में अपना पहचान बनाने का सुनहरा अवसर आने वाले हैं। या बार भारत में ही Tik Tok जैसे एप Jip Zop आने वाले हैं।

Jip Zop एप के लिए ब्रांड एंबेसडर सोशल मीडिया में धमाल मचाने वाला बेबाकी से अपना बात बोलने वाला एक्टर एजाज़ खान को बनाया गया हैं।

Jip Zop के मालिक अशोक मोंडल के अनुसार इस एप के जरिए युवाओं ने Tik Tok जैसा ही वीडियो बना सकेंगें, इतना ही नही Jip Zop एप Tik Tok से भी बेहतर होगा, इस एप के जरिए लोग आसानी से ढेर सारे रुपए कमा सकते हैं।

इस अवसर पर मीडिया के सवाल पर एजाज़ खान ने बताया कि यह दिन भी देखना पड़ रहा है मीडिया वाले ही मीडिया वाले को दौड़ाकर मार रहे हैं। कुछ टीवी चैनलों ने खबर नही लोगो में झूठ और आतंक फैलाने की काम कर रहा है।

आज भी अच्छे रिपोर्टर हैं जिनको झूठ फैलाने वाले बर्दाश्त नहीं हुआ, जिसके कारण ही कुछ मीडिया कर्मी ने एक कथित मीडिया कर्मी का पिटाई कर दिया।

सुशांत सिंह राजपूत के नेपोटिज्म के सवाल पर एजाज खान ने कहा कि सुशांत को 10 बड़े प्रोड्यूसर डायरेक्टर ही बड़े फिल्मों में काम दिया है।

इस इंडस्ट्री में आपका टैलेंट ही आपको बड़ा बनाते हैं। बहुत ऐसा भी बड़े एक्टर के बच्चे हैं, जिनको दर्शकों ने पचंद नही किया।

दीपिका पादुकोण के ड्रग्स मामले में सवाल करते ही एजाज ने एक ही जवाब दिया कि दीपिका खूबसूरत हैं।

एक्टर एजाज़ खान ने बताया कि Tik Tok बंद होने से देश के सैकड़ों लोग अपने टैलेंट देखा नही पा रहे थे। Jip Zop के जरिए फिर से भारत के लोग अपना टैलेंट दिखा सकते है। मंगलवार को Jip Zop के प्रोमो सांग शूट किया गया जिसमें मुख रूप से एक्टर एजाज खान सहित 100 से अधिक Tik Toker को लिया गया है।

दर्शकों को जल्द ही एजाज खान को रोमांटिक मूड में देखने को मिलेगा, उनका एक खूबसूरत लव सांग वीडियो एल्बम 'पल पल' जल्द ही रिलीज होने वाला है।पी आर और इवेंट नगमा खान जी ने किया.

अमेरिका के बच्चों को चिता यज्ञेश शेट्टी ने मार्शल आर्ट की ऑनलाइन ट्रेनिंग दिया व उनको सम्मानित किया

चिता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन' (चिता जेकेडी) के संस्थापक,चेयरमैन और फिल्मों के सुप्रसिद्ध मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चिता यज्ञेश शेट्टी ने ज़ूम ऍप्प के जरिये ऑनलाइन अमेरिका के इडाहो में 23 सितम्बर 2020 को 'एम्प्टी हैंड कॉम्बैट' के फाउंडर प्रेजिडेंट व चिता जेकेडी के इंटरनेशनल प्रेजिडेंट सिफु कॉस्मो ज़िमिक के साथ मिलकर मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी और उनको सम्मानित किया। और यज्ञेश के बेटे त्रिशान शेट्टी ने भी इस दौरान 45 मिनट की ट्रेनिंग अमेरिका के बच्चो को दिया।इस अवसर पर चिता यज्ञेश शेट्टी कहते है,'यह प्रशिक्षण का एक शानदार उदाहरण जहां सभी बच्चों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, मुझे लगता है कि यह सिफु कॉस्मो ज़िमिक द्वारा एक महान पहल है। उनके पास महान, गतिशील और होनहार छात्र हैं। मैंने उन्हें विशेष रूप से युवा लोगों को प्रशिक्षित किया है जो डोजो को अच्छा और साफ रखते हैं , सिफु कॉस्मो ज़िमिक चीता जेकेडी के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। मेरे लिए यह बहुत रोमांचक व अच्छा पल रहा।'

अमेरिका के छात्रों लेन स्वीसी, एलिस स्टैपलटन, जस्टिस दिरूद, मिया पिआत्रोस्की, रूटी क्रॉस, जेनी बारजस, जैच बेकर, ल्यूक डेविस, जोश मिचेल, टायसन सीड्स, डिएगो, गियाना ग्रीन, ईवा ग्रीन, लुइस मेड्रिगल, डैनियल मॉर्टन, कर्ट ड्रेस्सेल और नोआहसल और नोस्टाल कास्ट इत्यादि 19 छात्रों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए चीता जेकेडी द्वारा सम्मानित किया गया, अंत में चिता यज्ञेश शेट्टी ने सिफु कॉस्मो ज़िमिक का और सभी बच्चो का आभार व्यक्त किया और शुभकामनायें दी।

वरिष्ठ व दबंग पत्रकार श्री के.एम.श्रीवास्तव का निधन

मुंबई। वरिष्ठ व दबंग पत्रकार श्री के.एम.श्रीवास्तव का निधन 21 सितंबर 2020 का निधन सुबह ढाई बजे वसई अस्पताल(मुम्बई) में हो गया। 5 दिन पहले उनका कोरोना टेस्ट हुआ था, जो कि निगेटिव आया था। रात को सांस लेने में तकलीफ़ होने के कारण हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहाँ पर उन्होंने अंतिम सांस लिया और बाद में कॅरोना पीड़ित बताया गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। 72 वर्षीय के. एम. श्रीवास्तव अपने पीछे पत्नी निशा व बेटी नेहा को छोड़ गए हैं। हिंदुस्तान टाइम्स से 1970 में तीन साल का पत्रकारिता का डिप्लोमा लेने के बाद कानपुर के दैनिक जागरण से पत्रकारिता की शुरुआत करनेवाले के. एम. श्रीवास्तवमुम्बई आने के बाद पूरी तरह फ़िल्म पत्रकारिता से जुड़ गए। दोपहर का सामना,सांझ समाचार,संझा लोकस्वामी,इंडियन रीडर,फिल्मोनिया(टी सीरीज की पत्रिका) के संपादकीय विभाग से भी वे जुड़े रहे। एक नामचीन फ़िल्म पत्रकार के तौर पर उनकी किताब 'बॉम्बे टाकीज:अतीत का शिलालेख' काफी चर्चित रही है।ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति दे ।

जब अंकिता लोखंडे ने कहा था- अपना सारा गुस्सा सुशांत पर निकालती हूं

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनके कई वीडियोज और फोटोज वायरल हो रहे हैं। अब इस बीच सुशांत और अंकिता का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अंकिता, शेखर सुमन के शो में पहुंची थीं। इस दौरान शेखर ने अंकिता लोखंडे से पूछा कि जब आपको गुस्सा आता है तो आप क्या करती हैं? शेखर के सवाल पर अंकिता ने कहा, सच कहूं तो मैं सारा गुस्सा सुशांत पर निकालती हूं।

अंकिता इस दौरान यह भी कहती हैं कि उनका और सुशांत का पवित्र रिश्ता बहुत मजबूत है। इससे पहले अंकिता ने सुशांत के निधन को 3 महीने होने पर इमोशनल नोट लिखा था। अंकिता ने लिखा था, 'समय उड़ जाता है। जीवन अपनी रफ्तार से आगे बढ़ता रहता है, लेकिन कुछ यादें खास होती हैं जो कभी नहीं भुलाई जातीं। वह हमेशा हमारे साथ रहती हैं, खासकर उन लोगों की यादें जो हमारे करीबी होते हैं। सुशांत तुम हमेशा हमारी यादों में रहोगे।'

अंकिता ने हाल ही में सुशांत की याद में पौधे लगाए हैं। दरअसल, सुशांत का सपना था कि वह 1000 पौधे लगाएंगे। सुशांत के इस सपने को पूरा करने के लिए अंकिता ने अपने घर में पौधे लगाए। अंकिता ने अभी कुछ दिनों पहले अपनी साड़ी में कुछ फोटोज शेयर की थीं। फोटोज में वह अलग-अलग पोज में नजर आ रही थीं। फोटोज को शेयर करते हुए अंकिता ने कैप्शन में लिखा था, 'कैसे खुश रहें। हर सुबह तय करें कि आप अच्छे मूड में हैं।'

कपिल ने पूछा 'महाभारत' शूट के समय जानवरों को कैसे पता चलता था पैकअप हो गया? 'युधिष्ठिर' ने दिया यह मजेदार जवाब

मकपिल शर्मा के शो में इस बार महाभारत के कई स्टार्स पहुंचे। शो में सभी स्टार्स ने कपिल को महाभारत से जुड़े कई दिलचस्प किस्से बताए। महाभारत में शकुनी मामा का किरदार निभाने वाले गूफी पेंटन ने बताया कि कैसे हनुमान का किरदार निभाने वाले दारा सिंह और भीम का किरदार निभाने वाले प्रदीप कुमार सेट पर पंजाबी में बात करते थे।

वहीं जब कपिल ने सभी से पूछा कि बाकी सब तो समझ जाते होंगे कि पैकअप हो गया है, लेकिन शो में जो हाथी और घोड़े होते थे, उन्हें कैसे पता चलता था कि पैकअप हो गया है? इस पर युद्धिष्ठिर का किरदार निभाने वाले गजेंद्र चौहान ने बताया कि घोड़े जो थे वो पप्पू वर्मा के थे और उन्हें पता होता था कि पैकअप कब होता है, शूट कब शुरू हो रहा है। इस दौरान कपिल, श्री कृष्णा का किरदार निभा चुके नितिश भारद्वाज से पूछते हैं कि कभी ऐसा हुआ कि आप चेक लेने गए हों और प्रोड्यूसर ने कहा हो कि हमने तो भगवान कृष्ण के मंदिर में चढ़ा दिए आपको मिला नहीं। कपिल की बात सुनकर सभी जोर-जोर से हंसने लगते हैं। शो में बीआर चोपड़ा की बहू रेणु रवि चोपड़ा भई मौजूद होंगी, जो शो को लेकर कुछ अहम जानकारी बताएंगी। बता दें कि कोरोना वायरस के चलते शो में अब ऑडियंस नहीं होती है। ऑडियंस की जगह उनके पोस्टर्स लगाए रहते हैं। वहीं सेट पर भी सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो किया जाता है।

टिया बाजपेयी बोलीं- लोग मेरे पैरेंट्स से बोलते हैं कि बड़े स्टार्स ड्रग्स लेते हैं, तो आपकी बेटी भी...

टिया बाजपेयी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना वीडियो शेयर कर बताया कि उन्होंने अपना ड्रग टेस्ट कराया है और उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। टिया ने बाकी एक्टर्स को भी ऐसा करने की सलाह दी। अब टिया ने बॉलीवुड के ड्रग्स कनेक्शन को लेकर जो हाल ही में खुलासे हो रहे हैं इस पर लोगों के रिएक्शन के बारे में बताया। टिया ने हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा, टलोग मेरे परिवार से पूछ रहे हैं कि क्या ऐसा सच में होता है? एक ने तो यह तक कहा कि आपकी बेटी वहां है, ऐसा हो ही नहीं सकता कि बड़े स्टार्स ड्रग्स करते हैं, तो आपकी बेटी भी...।' टिया ने आगे कहा, 'मुझे बुरा लगा क्योंकि मेरे पैरेंट्स ऐसी बातें सुनें यह बिल्कुल सही नहीं है। मुझे फर्क नहीं पड़ता लोग क्या सोचते हैं, लेकिन मेरे पैरेंट्स मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने मेरे करियर च्वाइस पर भरोसा जताया है। मैं चाहती हूं वे हमेशा मुझपर गर्व करें। मेरी मां ने मुझसे कहा कि अगर तुमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया तो इसके बारे में बोलो।' टिया से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने देखा है बाकी स्टार्स को ड्रग्ल लेते हुए? टिया ने कहा, अगर ये चीजें सामने आई हैं तो ऐसा होता है। एनसीबी ऐसे ही किसी पर उंगली नहीं उठाएगी। सच बताऊं तो मैं कभी किसी ग्रुप का हिस्सा नहीं रही हूं। शुरू में जब मेरी पहली फिल्म हॉन्टेड रिलीज हुई थी और वो हिट हुई थी तब मुझे हर जगह बुलाया जाता था जैसे अवॉर्ड्स और बाकी जगह। 2-3 बार के बाद मैंने डिसाइड किया कि मैं इन पार्टीज का हिस्सा नहीं बनूंगी। इससे अच्छा मैं अपना काम करती रहूंगी। लोग कहते थे- इसको पड़ी ही नहीं, हम इसे क्यों काम दें? मैंने अच्छा और बुरा दोनों साइड देखा है। वीडियो शेयर कर बाकी एक्टर्स से की थी ड्रग्स टेस्ट कराने की अपील टिया ने अपना वीडियो शेयर किया था जिसमें वह कहती हैं, 'इस वक्त एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को काफी बदनाम किया जा रहा है क्योंकि कुछ लोग ड्रग्स लेते हैं इसलिए मैंने अपना ड्रग टेस्ट कराया है और जैसा कि आप सभी देख सकते हैं, मेरी रिपोर्ट निगेटिव आई है। मैं आप सभी से रिक्वेस्ट करती हूं कि सभी को एक रंग में ना रंगें।यहां कई लोग गंभीरता से अपना काम कर रहे हैं।' टिया ने आगे कहा था, 'मैं बाकी सभी एक्टर्स से गुजारिश करती हूं कि वे भी अपना ड्रग टेस्ट कराएं और उसे पब्लिक डोमने में रखें। खुद के लिए, अपने परिवार, करियर के लिए कराएं और सबसे जरूरी बात इसे अपने फैन्स के लिए कराएं जो बिना शर्त आपको ढेर सारा प्यार करते रहे हैं।'

ड्रग्स कनेक्शनः धर्मा प्रोडक्शन के एग्जक्यूटिव प्रोड्यूसर क्षितिज रवि प्रसाद को एनसीबी ने किया गिरफ्तार

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में ड्रग्स कनेक्शन को लेकर जांच में जुटी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शनिवार को एक और गिरफ्तारी की। एनसीबी ने इस बार धर्मा प्रोडक्शन के एग्जक्यूटिव प्रोड्यूसर क्षितिज रवि प्रसाद को गिरफ्तार किया है। एनसीबी की टीम ने शुक्रवार को धर्मा प्रोडक्शन के क्षितिज प्रसाद से पूछताछ की और रात में उन्हें में हिरासत में ले लिया था। दरअसल, एनसीबी की टीम ने शुक्रवार को एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह से पूछताछ की थी। मीडिया रिपोर्ट की माने तो एनसीबी से पूछताछ के दौरान रकुलप्रीत ने धर्मा प्रोडक्शन के एग्जक्यूटिव प्रोड्यूसर श्रितिज रवि प्रसाद का नाम लिया था। जिसके बाद एनसीबी ने क्षितिज को पूछताछ के लिए बुलाया और फिर आज उनको गिरफ्तार कर लिया है। क्षितिज रवि प्रसाद का नाम सामने आने के बाद प्रोड्यूसर करण जौहर ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने ऑफिशियल स्टेंटमेंट जारी कर कहा कि 2019 में उनके घर पर हुई पार्टी में ड्रग्स का इस्तेमाल नहीं किया गया था। करण ने कहा, 'बताया जा रहा है कि क्षितिज प्रसाद और अनुभव चोपड़ा मेरे सहयोगी/करीबी सहयोगी हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि मैं इन्हें निजी तौर पर नहीं जानता हूं। दोनों व्यक्तियों में से कोई भी मेरा सहायक या करीबी सहयोगी नहीं है। न तो मैं और न ही धर्मा प्रोडक्शंस, इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकते हैं कि लोग अपनी निजी जिंदगी में क्या करते हैं।'

शो के ग्रैंड प्रीमियर के लिए कंटेस्टेंट्स संग शूट कर चुके हैं सलमान खान? ऐसी है चर्चा

सलमान खान के शो बिग बॉस को लेकर मेकर्स ने लगभग सारी तैयारियां कर ली हैं। 3 अक्टूबर से इस शो का प्रसारण होगा। हर बार की तरह इस बार भी शो को अलग अंदाज में पेश किया जाएगा। शो को लेकर हर दिन कुछ न कुछ जानकारी सामने आती रहती हैं। अब बताया जा रहा है कि सलमान ने ग्रैंड प्रीमियर के लिए पहले ही शूट कर लिया है। पिंकविला ने अपनी एक रिपोर्ट में सोर्स के आधार पर बताया, फिल्म सिटी के पास होटल में क्वारंटाइन होने से पहले कुछ कंटेस्टेंट्स ग्रैंड प्रीमियर के लिए शूट कर चुके हैं। साथ ही कंटेस्टेंट्स ने सलमान खान के साथ अपने-अपने इंट्रोडक्शन सीन भी शूट कर लिए हैं और अब वे बिग बॉस के घर में डायरेक्ट एंट्री करेंगे। सोर्स ने आगे बताया कि प्रीमियर के लिए लगभग सभी शूट हो चुके हैं। कोरोना के चलते सभी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए इस बार कंटेस्टेंट्स की एंट्री को लेकर बड़ा प्लान नहीं बनाया गया है। इस बार वे नॉर्मल एंट्री करेंगे। शूटिंग के दौरान कंटेस्टेंट्स ने मास्क पहन रखे थे। बताया गया कि कुछ कंटेस्टेंट्स को काफी लेट में साइन किया गया था तो ऐसे में सलमान के एक और दिन शूटिंग करने की संभावना है। हालांकि, ऐसा भी हो सकता है कि सलमान खान सबकुछ वर्चुअली शूट करें। मालूम हो कि शो में शामिल होने वाले पहले कंटेस्टटेंट का नाम सामने आ चुका है। पिंकविला के मुताबिक, सिंगर कुमार सानू के बेटे जान सानू सलमान खान के शो बिग बॉस 14 के पहले कंटेस्टेंट हैं। म्यूचुअल कॉन्फ्रेंस के जरिए उन्होंने शो में एंट्री ली। इस दौरान सलमान ने जान सानू को सलाह देते हुए यह भी कहा कि मिजाज से वह काफी नर्म हैं। इस कॉन्ट्रोवर्शियल शो में सर्वाइव नहीं कर पाएंगे।

तो क्या इस वजह से टीना दत्ता ने सलमान खान के शो का ठुकराया ऑफर?

बिग बॉस-14 को ऑनएयर होने में अब कुछ दिन ही बाकी हैं। ऐसे में शो का हिस्सा बनने वाले कंटेस्टेंट्स के नामों की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। कुछ समय पहले ऐसी चर्चा थी कि एक्ट्रेस टीना दत्ता भी शो का बनने वाली हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शो में शामिल होने की अफवाहों पर विराम लगा दिया था। वहीं अब टीना के बिग बॉस-14 का हिस्सा न बनने के पीछे का कारण सामने आया है। पिंकविला ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में लिखा- 'एक्ट्रेस को हर साल रिएलिटी शो के लिए अप्रोच किया जाता है। इस साल वह शो साइन करने के बेहद करीब थीं लेकिन आर्थिक मामले पर बात नहीं बन सकी। जिसके बाद टीना ने अपने पांव पीछे खींच लिए।' टीना सोशल मीडिया पर अपने फेवरेट बिग बॉस के नाम एक 'लव लेटर' लिखकर शो का हिस्सा बनने की अफवाहों पर विराम लगा चुकी हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा कि मेरा लव लेटर मेरे फेवरेट बिग बॉस के नाम। रोमांस खराब मत करना। टीना लिखती हैं- 'डियर बिग बॉस, क्या आपको पता है कि आप कितने पसंद हैं? मैं आपको बताती हूं, पहले मैंने कभी नहीं बताया। हे भगवान! जब से आपके साथ मेरा इमेजिनरी रिलेशनशिप शुरू हुआ है, मेरा फोन नॉन स्टॉप बजता है। मुझे उस लड़की की तरह महसूस होता है जो अभी रिश्ते में आई है। मीडिया की ओर से फोन, मेरे और आपके बारे में हेडलाइन्स और खूब सारी उत्सुकता। मैं सोच रही हूं कि ये खिचड़ी पकी ही कैसे? मेरे प्यारे, यह मैच स्वर्ग में नहीं बना है, यहां तक कि न धरती में और न ही भारतीय टेलीविजन में, इसलिए याद रखें कि मैं आपको प्यार करती हूं लेकिन एक दर्शक के तौर पर, एक कंटेस्टेंट के रूप में नहीं। लव टीना दत्ता।' आपको बता दें कि टीना दत्ता कलर्स चैनल के शो 'उतरन' में 'इच्छा' के रोल से घर-घर मशहूर हो गई थीं। इस शो का एक्ट्रेस रश्मि देसाई भी हिस्सा थीं, उन्होंने 'तपस्या' का रोल अदा किया था।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जल्द होगी 'दया बेन' की वापसी, ऐसी है चर्चा

टीवी का पॉप्युलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से दया बेन का किरदार निभाकर सबका दिल जीतने वालीं दिशा वकानी काफी समय से शो से गायब हैं। फैन्स दिशा की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। अब खबर आ रही है कि दिशा जल्द ही शो में नजर आ सकती हैं। टेलीचक्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, दिशा जल्द ही शो में वापसी करेंगी। अक्टूबर या नवंबर में दिशा को की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें कि कुछ दिनों पहले शो में रोशन सोढ़ी का किरदार निभाने वालीं जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने दिशा को लेकर बात की थी। जेनिफर ने कहा था कि दिशा अभी अपने परिवार और बेटी के साथ समय बिता रही हैं। उन्होंने कहा था, 'मुझे दिशा की याद आती है और फैन्स भी उन्हें देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अभी वह जिस सिचुएशन में हैं, उसे मैं समझ सकती हूं क्योंकि कुछ साल पहले मैं भी उनकी जैसी सिचुएशन में थी। वह अपनी बेटी का पूरा ध्यान रखना चाहती हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि वह जल्द ही वापस आ जाएंगी।'

सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां! मुंबई में खचाखच भरी दिखी ट्रेन

मुंबई की एक लोकल ट्रेन में लोगों से खचाखच भरी ट्रेन के 2 वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।
इन वीडियो से पता चल रहा है कि मुंबई की लोकल ट्रेन में कैसे सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड रही हैं। इसके बाद अधिकारियों ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि ट्रेन में भीड़ क्यों थी। पश्चिम रेलवे के एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि शहर में भारी बारिश के कारण ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, जिससे अन्य परिचालन ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई। एक वीडियो क्लिप जिसे सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर शेयर किया जा रहा है, जो भीड़-भाड़ वाली ट्रेन में सवार होने के लिए मास्क पहने लोग दिखाई दे रहे हैं। एक दूसरा वीडियो महिलाओं के लिए आरक्षित एक डिब्बे के अंदर का है जो यात्रियों से भरा है और उनके बीच सोशल डिस्टेंशिंग की कोई गुंजाइश नहीं है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने कहा कि इस तरह की भीड़ से शहर में कोविड -19 और फैलेगा, इसके बावजूद यह देश के सबसे खराब शहरों में से एक है। एक बालाजी नाम के यूजर ने लिखा कोई कोई आश्चर्य नहीं कि मुंबई कोरोना मामलों के साथ चरम पर रही है। एक आयुष उज्जव नाम के यूजर ने लिखा इसकी मैं अपने प्रिय भारतीयों से उम्मीद कर रहा था, मुबंई कोरोना के मामलों में टॉप पर है और साथ ही कोविड की वजह से मौत भी हो रही है, यह दर्शाता है कि यह संख्या क्यों है। सौरभ कुमार नाम के यूजर ने लिखा इस स्थिति में कम्यूनिटी ट्रांस्फर कैसे रोका जा सकता है? राहुल कुमार साहू ने ट्विटर पर लिखा कि इस तरह हम कोरोना वायरस को नियंत्रित करने जा रहे हैं। भगवान भरोसे। यह है हालत .. कोविड के मामले में बढ़ोतरी इस साल सर्दियों में हम सभी को चौंका देगी। सुरक्षित लोग बनो।

सभी भारतीयों को कोरोना वैक्सीन देने के लिए 80 हजार करोड़ रुपये की जरूरत, सरकार के पास है इतना पैसा? अदार पूनावाला ने उठाए सवाल

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच अब सभी की निगाहें कोरोना की वैक्सीन पर टिकी हैं, जिनका विभिन्न चरणों में ट्रायल चल रहा है। बताया जा रहा है कि अगले साल की शुरुआत में कोरोना वैक्सीन मिल जाएगी लेकिन अब पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के चेयरमैन अदार पूनावाला के एक ट्वीट ने चिंता बढ़ा दी है। दरअसल अदार पूनावाला ने अपने ताजा ट्वीट में कहा है कि प्रत्येक देशवासी को वैक्सीन देने के लिए अगले एक साल में 80 हजार करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चाहिए, क्या सरकार के पास यह रकम है? बता दें कि अदार पूनावाला ने ट्वीट में लिखा कि एक सवाल; भारत सरकार के पास 80 हजार करोड़ रुपए हैं, वो भी अगले एक साल में?
क्योंकि स्वास्थ्य मंत्रालय को वैक्सीन खरीदने और उसे सभी के पास तक पहुंचाने के लिए इतनी रकम की जरूरत पड़ेगी। यह आगे आने वाली बड़ी चुनौती है, जिससे पार पाने के बारे में हमें सोचना चाहिए। अपने एक अन्य ट्वीट में अदार पूनावाला ने कहा कि ľदि;मैंने ये सवाल इसलिए किया है क्योंकि हमें भारतीय और विदेशी वैक्सीन निर्माताओं को दिशा-निर्देश देने और योजना बनाने की जरूरत है, जिससे देश की जरूरत के हिसाब से अधिग्रहण और वितरण किया जा सके।बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका फार्मा कंपनी द्वारा विकसित कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के क्लीनिकल ट्रायल भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा किए जा रहे हैं। ट्रायल सफल होने के बाद सीआईआई द्वारा ही इस वैक्सीन का उत्पादन किया जाएगा। बीते दिनों इस वैक्सीन के ट्रायल रोक दिए गए थे क्योंकि ट्रायल में शामिल एक वॉलंटियर गंभीर रूप से बीमार हो गया था। हालांकि बाद में जांच के बाद ब्रिटेन सरकार ने कोविशील्ड के क्लीनिकल ट्रायल को फिर से मंजूरी दे दी थी।
जिसके बाद भारत में भी डीजीसीआई ने भी इस वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल को हरी झंडी दे दी थी। इस बीच सरकार ने कोरोना के चलते देश में ऑक्सीजन की बढ़ी मांग से निपटने के लिए लिक्विड ऑक्सीजन के दाम नियंत्रित किए हैं। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि लिक्विड ऑक्सीजन के दामों पर अभी सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, जिसके चलते ऑक्सीजन निर्माताओं ने इसके फिलर्स के दाम बढ़ा दिए हैं। अब सरकार ने प्रति क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन के दाम 15.22 रुपए तय किए हैं।

प्रिंसेस पार्क में रहने वाले 203 परिवारों को दिए जाएंगे फ्लैट

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। डूसिब की पुनर्वास योजना के तहत अब प्रिंसेस पार्क में रहने वाले 203 परिवारों को भी फ्लैट दिए जाने का फैसला किया गया है। दरअसल जहां पर ये परिवार रहते हैं, उस जगह का प्रयोग रक्षा मंत्रालय द्वारा नैशनल वॉर म्यूजियम एंड मेमोरियल बनाने के लिए किया जा सकता है, ऐसे में दिल्ली सरकार इन परिवारों के लिए करोल बाग के देव नगर में फ्लैट बना रही है। जब तक देव नगर के फ्लैट तैयार नहीं हो जाते, तब तक इन परिवारों को द्वारका के सेक्टर 16 बी में शिफ्ट किया जाएगा। बोर्ड मीटिंग में डूसिब का 452 करोड़ रुपये का बजट भी पास किया गया है।
डूसिब के सदस्य बिपिन कुमार राय ने बताया कि बोर्ड मीटिंग में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। डूसिब के करीब 212 शेल्टर होम में रहने वाले करीब 7 हजार लोगों को अब तीन समय का मुफ्त खाना दिया जाएगा। अभी तक इन लोगों को लंच व डिनर दिया जाता था लेकिन अब ब्रेकफास्ट दिए जाने का भी फैसला किया गया है। इसके लिए 15.31 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।
राय ने बताया कि करोल बाग में करीब 784 फ्लैट बनाए जा रहे हैं और इन फ्लैट में प्रिंसेस पार्क में रहने वाले दो सौ से ज्यादा परिवारों के साथ- साथ देव नगर की जेजे बस्तियों में रहने वाले 350 परिवारों को भी शिफ्ट किया जाएगा। अजमेरी गेट के कई कम्यूनिटी सेंटरों में रहने वाले लोगों को भी फ्लैट दिए जाने का फैसला किया गया है।

गरीबी बना रही लाचार! हो रहे कुपोषण का शिकार, पालघरवासी बोले- खुद रहते हैं भूखे, ताकि बच्चों का भर सकें पेट

ऐसा ही हाल रूपेश और रूपाली का है, जो 13 महीने के जुड़वां बच्चे हैं। इन दोनों का वजन 40 से 42 फीसदी औसत से कम है, जबकि लंबाई भी कम है। इन्हें महज सूखा चावल खाना मिलता है। इनके परिवार की जई तरल ने बताया, हमारे पैसा होगा, तब खिलाएंगे न। पैसे ही नहीं हैं। हम सब्जी नहीं खरीद कर खा सकते हैं।

कोरोना की मार के बीच गरीबी और भुखमरी महाराष्ट्र के पालघर में लोगों को और भी बेबस और लाचार बना चुकी है। आलम यह है कि वहां पर नन्हें नन्हें बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। जो कुछ भी घर में आता है वह बच्चों को खाने को मिल जाए, इसके लिए परिवार वाले खुद खाने का त्याग कर देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पालघर के कई इलाकों में बच्चों में कुपोषण बड़ी चिंता का विषय बन गया है। बताया गया कि वहां का निवासी उमेश तीन साल का है, पर उसका वजन एक साल के बच्चे के बराबर का है। फिलहाल वह आठ किलो का है, जबकि उसके वजन चार किलो या फिर 33 फीसदी कम (मौजूदा उम्र के हिसाब से) है। उसकी लंबाई 84 सेंटीमीटर है, जो 6.6 फीसदी आदर्श स्थिति से कम है।
गांव में सरकारी स्कूल भी नहीं है, जिससे उसके नौ साल के बड़े भाई को वहां पर मिड डे मील में पर्याप्त भोजन मिल सके। तरलपाड़ा के इस परिवार की प्रमिला भांबरे ने अंग्रेजी चैनल को बताया- चार लोगों का पेट भरना काफी मुश्किल भरा हो जाता है। छोटे बच्चे का वजन कम है, इसलिए उसकी अधिक देखभाल करनी पड़ती है। ऐसा ही हाल रूपेश और रूपाली का है, जो 13 महीने के जुड़वां बच्चे हैं। इन दोनों का वजन 40 से 42 फीसदी औसत से कम है, जबकि लंबाई भी कम है। इन्हें महज सूखा चावल खाना मिलता है। इनके परिवार की जई तरल ने बताया, ľदि;हमारे पैसा होगा, तब खिलाएंगे न। पैसे ही नहीं हैं। हम सब्जी नहीं खरीद कर खा सकते हैं। बड़े लोगों को भूखा रहना पड़ता है, ताकि छोटे बच्चों को दो वक्त का निवाला मिल सके। बच्चों को तो भूखा नहीं रख सकते हैं न ľदि; जई के परिवार में आठ लोग हैं। उनका बेटा कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम करता था, पर अब काम ही नहीं है, इसलिए परिवार को संघर्ष करना पड़ रहा है। पालघर जिले के जवाहर तालुका में आने वाला तारलपाड़ा में आदिवासी आबादी रहती है, जिनमें से अधिकतर आसपास के इलाकों में प्रवासियों के तौर पर काम करते हैं। मसलन थाणे और भिवंडी। बता दें कि महाराष्ट्र के सबसे पिछड़े जिलों में से एक पालघर जिले में कुपोषण की समस्या नई बात नहीं है। महिला और बाल विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पालघर जिले में अप्रैल 2020 में कुल 2,399 बच्चे कुपोषण की जद में आए। जून 2020 में यह संख्या बढ़ी और 2459 हो गई। यानी करीब 2.5 फीसदी की इसमें बढ़ोतरी आई।

डीयूः पहली कटऑफ लिस्ट पर एडमिशंस 12 अक्टूबर से

नई दिल्ली, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अंडरग्रैजुएट कोर्सेज में एडमिशन की रेस 12 अक्टूबर से शुरू होगी। यूनिवर्सिटी की पहली कटऑफ पर 12 अक्टूबर से एडमिशंस होंगे। यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को यूजी और पीजी ऐडमिशंस के लिए अपना शेड्यूल जारी किया है। मेरिट पर आधारित यूजी कोर्सेज के लिए एडमिशन की प्रक्रिया 12 अक्टूबर को शुरू होगी और एंट्रेंस पर आधारित कोर्सेज के लिए 19 अक्टूबर से। यूजी और पीजी के लिए नया सेशन 2020-21, 18 नवंबर से शुरू होगा। अगर सीट खाली रहती हैं, तो आगे भी लिस्ट जारी होगी।
पहली कटऑफ पर 12 से 14 अक्टूबर तक एडमिशन होंगे। 16 अक्टूबर तक स्टूडेंट्स फीस भर सकेंगे। दूसरी कटऑफ पर 19 से 21 अक्टूबर तक एडमिशन होंगे और इस लिस्ट पर 23 अक्टूबर फीस भरने का आखिरी दिन होगा। तीसरी कटऑफ पर 26 से 28 अक्टूबर तक स्टूडेंट्स एडमिशन ले सकेंगे और 30 अक्टूबर तक कॉलेजों की फीस जमा कर सकेंगे। चौथी कटऑफ पर 2 नवंबर से 4 नवंबर तक एडमिशन होंगे और 6 नवंबर तक स्टूडेंट्स को फीस भरने का मौका मिलेगा। पांचवी कटऑफ पर 9 नवंबर से 11 नवंबर तक एडमिशन होंगे। 13 नवंबर फीस भरने का आखिरी दिन होगा। खाली सीट रहने पर स्पेशल कटऑफ पर एडमिशन 18 से 20 नवंबर तक चलेंगे।

सोसायटी फॉर मीडिया एवंम पुलिस पब्लिक सहयोगी संगठन संगठन की महिला कार्यकर्ता पायल मालदे ने अपनी मातोश्री मधुबन मालदे और नानी की याद में गरीब बच्चों को खाना खिलाया इस अवसर पर महाराष्ट्र के प्रेसिडेंट श्रीमान हर्षद मकवाना एवं खजांची श्रीमान ललित भाई जैन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

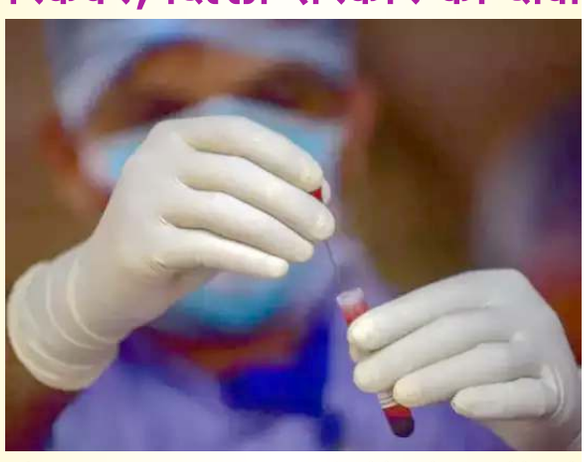

कोरोना के 50 फीसदी से ज्यादा मरीज होम आइसोलेशन में हुए रिकवर, दिल्ली सरकार का दावा

नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में से 50 फीसदी होम आइसोलेशन में रिकवर हुए हैं। शुक्रवार को दिल्ली सरकार की ओर जारी किए डेटा में इसका दावा किया गया है। बताया गया कि मई के पहले हफ्ते से लेकर 23 सितंबर तक दिल्ली में कुल 1 लाख 34 हजार 113 लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण दिखाई दिए थे। इनमें से एक लाख 13 हजार 374 लोगों को होम आइसोलेशन में रखा गया था। इस दौरान मरीजों पर कोविड प्रोटोकॉल लागू था। दिल्ली सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में से 50 प्रतिशत ऐसे हैं, जिन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली सरकार कोविड-19 के प्रबंधन के दिल्ली मॉडल में होम आइसोलेशन पर काफी जोर देती थी। तेजी से बढ़ते कोरोना मरीजों की संख्या के बीच गोम आइसोलेशन एक उपयोगी टूल बनकर उभरा है। इससे मरीजों के बढ़ते लोड को संभालने में काफी मदद मिली। दो लाख से ज्यादा कोरोना मामले बता दें कि दिल्ली महानगर में संक्रमण के कुल 2,64,450 मामले हैं, जबकि 30,867 मरीजों का इलाज चल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में कुल 2,124 निरूद्ध क्षेत्र हैं। शुक्रवार को दिल्ली में कोरोना वायरस के 3 हजार 827 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के कुल मामले 2.64 लाख से अधिक हो गए। वहीं बीमारी के कारण 24 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 5,147 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने जांच की स्थिति की समीक्षा करने के लिए दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों के चिकित्सा निदेशकों और अधीक्षकों के साथ बैठक की। पिछले दिन कुल 59,134 जांच की गई थी। दिल्ली में लोगों के संक्रमित होने की दर 6.47 प्रतिशत है। मुख्य सचिव ने भी कोविड-19 प्रबंधन को लेकर सभी जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

कोविड-19 कोरोना जैसी महामारी बीमारी दहिसर वेस्ट में साईं अमृत सोसाइटी द्वारा नियमों का किया गया बंग

दहिसर वेस्ट में साईं अमृत सोसाइटी में मनपा द्वारा दिया गया नियमों का उल्लंघन सोसायटी में रहने वाले आरपीआई ए के गुजराती सेल के अध्यक्ष श्रीमान जतिन भूता द्वारा माहिती प्राप्त हुई के हमारे घर में रात को 11:00 बजे लेटर देने आए थे उस समय हमारे निवास स्थान पर कोई भी सदस्य को कोरोनाजैसी बीमारी नहीं थी सोसायटी के चेयरमैन और सेक्रेटरी द्वारा हमें मानसिक हरासमेंट करने के इरादे से आए थे कोरोनटाइन समय खत्म होने पर हम कानूनी सलाह द्वारा एक्शन लेने की सोच रहे हैं

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है।
संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।